page 1 and 8 July 22_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/22/2026 2:28 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पीएम गतिशक्ति पर क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

5 एफआईएच हाकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए टीम घोषित,हरमनप्रीत होंगे कप्तान

8 ओमपोरा में वन्यजीव विभाग का सफल अभियान...

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-183 | जम्मू तवी, बुधवार 22 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

नीट पेपर लीक मुद्दे पर विपक्ष का दोनों सदनों में लगातार दूसरे दिन जोरदार हंगामा

नयी दिल्ली 21 जुलाई । संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी हंगामा किया जिसके कारण राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी जिससे कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका।विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर दोनों सदनों में आज भी जोरदार हंगामा किया जिसके कारण राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही दो-दो बार के स्थगन के बाद बिना किसी विधायी कामकाज के दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को भी इस मुद्दे पर हंगामे के कारण संसद में कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका था। राज्यसभा में सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने यह मुद्दा उठाया। नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े जाने का मुद्दा उठाते हुए इसे दर्दनाक घटना बताया। उनके यह मामला उठाते ही सत्तापक्ष के सदस्यों ने जोर-जोर से बोलना शुरू कर दिया जिससे विपक्षी सदस्यों के साथ उनकी नोंक-झोंक शुरू हो गयी। सदन में अव्यवस्था की स्थिति देखते हुए सभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद इसी मुद्दे पर हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही पहले दो बजे तक

और फिर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। इससे लगातार दूसरे दिन कोई काम नहीं हो सका। सदन की कार्यसूची में पिछले दो दिन से राष्ट्र गीत वंदेमातरम के अपमान से संबंधित 5राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 सूचीबद्ध है लेकिन सदन की कार्यवाही ठप होने के कारण इसे पेश नहीं किया जा सका है। लोकसभा में भी सुबह अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा अन्य विपक्षी दलों के सदस्य नीट पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर नारेबाजी करने लगे। श्री बिरला ने सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रश्नकाल सदस्यों के लिए सरकार से जवाब मांगने का महत्वपूर्ण अवसर होता है, लेकिन हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही भी इसी मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते पहले दो बजे तक और फिर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्षी सदस्यों ने तख्तियां और बैनर लेकर सदन के बीचोंबीच नारेबाजी की। इस मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा में भी मानसून सत्र के पहले दो दिन कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका।

तीन घंटे की हिरासत के बाद राहुल समेत सभी विपक्षी नेता रिहा

नयी दिल्ली, 21 जुलाई । कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विभिन्न नेताओं को प्रधानमंत्री आवास के बाहर छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के करीब तीन घंटे बाद मंगलवार रात को रिहा कर दिया गया।श्री गांधी को छत्रसाल स्टेडियम से रिहा किया गया, जबकि श्रीमती वाड्रा समेत कुछ अन्य नेताओं को पहले मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया था। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी अपनी पुत्री प्रियंका तथा हिरासत में लिए गये अन्य नेताओं से मिलने मंदिर मार्ग थाने पहुंची थीं। बाद में सभी नेताओं को रिहा कर दिया गया। श्रीमती वाड्रा ने रिहाई के बाद कहा कि यदि लोकसभा में विपक्ष के नेता को संसद में बोलने की अनुमति नहीं दी जाती और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिलती, तो विपक्ष अपनी बात वहां रखेगा जहां संभव होगा।

पेपर लीक मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता सबकी साझा जिम्मेदारी : मोदी

नयी दिल्ली, 21 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा प्रश्न-पत्रों के लीक होने की घटनाओं को राष्ट्रीय चिंता का विषय बताते हुए मंगलवार को कहा कि हाल में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में सामने आये प्रश्न-पत्र लीक के ममले में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।श्री मोदी ने परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र होने की घटनाओं को राष्ट्रीय चिंता का विषय बताया और कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पवित्रता और विश्वसनीयता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है, जिसके लिए त्वरित और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। श्री मोदी संसद के मानसून सत्र के दौरान आज सुबह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सांसदों के साथ मंगल मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि प्रश्न-पत्र लीक होने के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते मानसून सत्र में पहले दो दिन कोई काम काज नहीं हो सका। इस मुद्दे पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को राजधानी में एक जोरदार विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था। संसद भवन की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों से निपटने

के लिए पुलिस बलों ने लाठी-चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान झड़पों में कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हो गये। राजग सांसदों की बैठक में प्रधानमंत्री के संबोधन की जानकारी संवादाताओं को संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने दी। श्री रिजिजू के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में इस बात का उल्लेख किया कि पेपर लीक सामने आने के तुरंत बाद सरकार ने तेजी से कदम उठाए, तेरह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए शीघ्र पुनः परीक्षा आयोजित की गई। श्री रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने दोषियों को सबसे कड़ी सजा देने पर जोर दिया है और कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना देश के लिए अत्यंत आवश्यक है।

खबर संक्षेप

सरकार ने गर्मी की छुट्टियां 26 जुलाई तक बढ़ाईं

श्रीनगर, 21 जुलाई। सरकार ने मंगलवार को कश्मीर डिवीज़न और जम्मू डिवीज़न के विंटर ज़ोन (सर्दियों वाले इलाकों) के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 26 जुलाई तक बढ़ा दीं।

शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू के अनुसार स्कूल 27 जुलाई को फिर से खुलेंगे। एक्स पर मंत्री ने कहा कि छात्रों, शिक्षकों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई को अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता मानते हुए कश्मीर डिवीज़न और जम्मू डिवीज़न के विंटर ज़ोन में सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 26 जुलाई 2026 तक बढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल अब सोमवार 27 जुलाई 2026 को फिर से खुलेंगे।

मंत्रालय ने लोगों से सुरक्षित रहने, सतर्क रहने और संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी एडवाइज़री का पालन करने का आग्रह किया। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना करती हूँ।

एलओसी के पास सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद किया बरामद

उरी, 21 जुलाई । बारामूला के उरी इलाके में गवालता में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर तैनात सुरक्षाबलों ने हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया है।

पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि एलओसी गवालता पर तैनात सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स ने उरी पुलिस स्टेशन को गवालता गांव में चौकास के पास हुई बरामदगी के बारे में जानकारी दी।

उरी पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बरामद सामान को अपने कब्जे में ले लिया। अधिकारियों के अनुसार बरामद सामान में एक एके-47 राइफल, दो एमपी5 बंदूकें, चार पिस्तौल, एक एके-47 मैगज़ीन, चार एमपी5 मैगज़ीन और 12 पिस्तौल मैगज़ीन शामिल हैं। बरामद गोला-बारूद में एके-47 के 839 जिंदा कारतूस, एमपी5 के 255 राउंड और पिस्तौल के 50 जिंदा कारतूस शामिल हैं। मौके पर एक वायर कटर भी मिला।

इस संबंध में उरी पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट की धारा 7/25 के तहत एफआईआर नंबर 80/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

चिनाब नदी में बढ़ा जलस्तर, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को सतर्क किया गया

जम्मू, 21 जुलाई । अखनूर के जिया पोत घाट स्थित चिनाब नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम पूरी तरह सतर्क है। टीम के सदस्य नदी किनारे पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और बार-बार अपील की जा रही है कि कोई भी व्यक्ति नदी के किनारे न जाए तथा अपनी जान जोखिम में न डाले।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है जिससे नदी का बहाव भी काफी तेज हो गया है। ऐसे में नदी के किनारे जाना या पानी के पास पहुंचना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी स्थिति में नदी के किनारे जाने से बचें। प्रशासन का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नशीली दवाओं के खिलाफ 100 दिन का अभियान तो बस शुरुआत है, नार्को-टेरर के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी: उपराज्यपाल

श्रीनगर, 21 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर की नशीली दवाओं और नार्को-टेरर के खिलाफ लड़ाई एक निर्णायक चरण में पहुंच गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 100 दिन का नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान एक लंबे समय तक चलने वाले मिशन की सिर्फ शुरुआत थी और नशीली दवाओं के तस्करों को चेतावनी दी कि उन्हें कानून के तहत सबसे सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। यहां शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में 100 दिन के अभियान के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने यह बातें कहीं।

उन्होंने राजौरी, पुंछ और डोडा जिलों में हाल ही में आई अचानक बाढ़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देकर अपने संबोधन की शुरुआत की। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्थिति की समीक्षा की है और प्रभावित परिवारों को भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियां लोगों की मुश्किलें कम करने और समय पर राहत सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। साथ ही पीड़ितों की याद में दो मिनट का मौन भी रखा गया। नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान की बात करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

विशेष दर्जे की बहाली के लिए राज्य का दर्जा जरूरी : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 21 जुलाई । मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में राज्य की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन महज शुरुआत है, अंत नहीं। पार्टी केंद्र को अपने वादों की याद दिलाती रहेगी और भाजपा को खुश करने के लिए अपने राजनीतिक एजेंडे से समझौता नहीं करेगी। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर राज्य की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने स्वायत्तता की बहाली की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था लेकिन इस कदम को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा कि जब विधानसभा ने स्वायत्तता प्रस्ताव पारित किया तो इसे गलत तरीके से जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने या पाकिस्तान में विलय करने के प्रयास के रूप में चित्रित किया गया। ये आरोप केवल हमारे राजनीतिक संघर्ष को बदनाम करने के लिए लगाए गए थे। हम इस तरह के दुष्प्रचार को पूरी तरह से खारिज करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र विधानसभा के प्रस्ताव से नाखुश था और उसने जम्मू-कश्मीर की आवाज़ को कमज़ोर करने के

लिए नए राजनीतिक दलों के उदय को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज भी जनता को विभाजित करने और उनकी आवाज़ को कमज़ोर करने का वही प्रयास जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य केंद्र को जम्मू-कश्मीर की जनता से किए गए अपने वादों की याद दिलाना था। उन्होंने कहा कि हम केंद्र को जम्मू-कश्मीर से किए गए वादों की याद दिलाने के लिए दिल्ली गए थे। हमने सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था क्योंकि यह केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुद्दा नहीं है यह पूरे जम्मू-कश्मीर का मुद्दा है। मुख्यमंत्री उमर ने क्षेत्रीय दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल न केवल अनुपस्थित रहे बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय सम्मेलन की पहल का मज़ाक भी उड़ाया।

जीएमसी राजौरी को एमबीबीएस की 50 अतिरिक्त सीटें मिलने से मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा

श्रीनगर, 21 जुलाई(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा मिलने से स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने मंगलवार को घोषणा की कि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) राजौरी को 50 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों के लिए मंजूरी मिल गई है जिससे इसकी सालाना क्षमता 100 से बढ़कर 150 हो गई है। एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री इटू ने कहा कि जीएमसी राजौरी में एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी से मेडिकल की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों को ज्यादा मौके मिलेंगे और साथ ही जम्मू-कश्मीर में हेल्थकेयर सेक्टर भी मजबूत होगा। मंत्री ने लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में एमबीबीएस सीटों को सफलतापूर्वक बढ़ाने के बाद अब गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजौरी में 50 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों के लिए मंजूरी दे दी गई है जिससे इसकी क्षमता 100 से बढ़कर 150 सीटें हो गई हैं।

एनएच-44 पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन और पत्थर गिरने से यातायात बाधित, यातायात को डाउनट्यूब के रास्ते किया गया डायवर्ट

जम्मू, 21 जुलाई । मंगलवार को उधमपुर जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई जिससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर कई स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं हुईं। एहतियात के तौर पर अधिकारियों को यातायात को वैकल्पिक मार्ग डाउन ट्यूब से डायवर्ट करना पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित स्थानों में राजमार्ग के अप ट्यूब खंड में शारदा माता मंदिर, थराद, बाली नाला और खेरी शामिल हैं जहां लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और पत्थर गिरने से यात्रियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। सुरक्षा उपाय के तौर पर पुनर्निर्माण कार्य जारी रहने तक यातायात को अस्थायी रूप से डाउन ट्यूब से डायवर्ट किया गया है।भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मलबा हटाने और जल्द से जल्द सामान्य यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए कर्मचारियों और मशीनों को तैनात किया है।

अधिकारियों ने यात्रियों को प्रभावित सड़कों के पूरी तरह साफ होने तक सावधानी से गाड़ी चलाने और यातायात निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

लगातार बारिश ने जम्मू स्मार्ट सिटी और जम्मू नगर निगम की खोली पोल

जम्मू , 21 जुलाई । जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में इस समय मौसम काफी ज्यादा खराब चल रहा है। जम्मू में भी बारिश देर रात से हो रही है। लगातार हो रही इस बारिश ने जम्मू स्मार्ट सिटी और जम्मू नगर निगम की पोल खोल के रख दी है। जानकारी के अनुसार जिला जम्मू के वार्ड नंबर 32 मुंशी चक, अमन विहार, गोल गुजराल और वार्ड नंबर 40 में कबीर कॉलोनी, गुरु रविदास जी मंदिर टेंपल की सड़कें और गलियां स्विमिंग पूल बने हुए हैं। लोगों को यहां से निकलने के लिए लगता है अब कश्ती मंगवानी पड़ेगी तभी वे अपने घर से बाहर निकाल पाएंगे। जरूरी सामान खरीदने जाने के लिए भी लोगों को दिक्कतें पेश आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार और मौजूदा विधायक और जम्मू स्मार्ट सिटी के सीईओ, जम्मू नगर निगम के कमिश्नर से अपील की है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

जावेद राणा और सतीश शर्मा ने राजौरी का दौरा कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की, बहु-करोड़ राहत पैकेज की घोषणा

राजौरी, 21 जुलाई। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने युवा सेवाएं एवं खेल, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआरआई एवं प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा के साथ सोमवार को राजौरी का दौरा कर बाढ़ की स्थिति, राहत कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की बहाली की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने राजकीय बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय (बीएचएसएस) राजौरी में स्थापित राहत एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने विस्थापित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही आवास, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समीक्षा की। इसके बाद मंत्रियों ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें विधायकगण, उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा तथा

विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की बहाली की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने मंत्रियों को जिले की मौजूदा स्थिति, जिला प्रशासन द्वारा किए गए राहत कार्यों, पेयजल आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की बहाली तथा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास के लिए तत्काल आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी। स्थिति की समीक्षा के बाद मंत्रियों ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली के लिए तत्काल सहायता पैकेज की घोषणा की। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने 15-15 लाख रुपये की लागत से 20 लघु पेयजल योजनाओं की स्थापना के लिए 3 करोड़ रुपये, 10 पेयजल स्थलों पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने के लिए 1 करोड़ रुपये, 1,000 जल भंडारण क्रेट उपलब्ध कराने के लिए 1 करोड़ रुपये, लगभग 2.5 लाख रुपये की लागत से पांच डी-वॉटरिंग पंपों की खरीद, लगभग 50 लाख रुपये की लागत से पांच 125 केवीए जनरेटर सेट उपलब्ध कराने तथा क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना के लिए 4 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

पंचायत लेखा सहायकों की कैरियर प्रगति की समीक्षा के लिए सरकार ने उच्च स्तरीय समिति गठित की

श्रीनगर, 21 जुलाई। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पंचायत लेखा सहायकों (पीएए) की लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मांगों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उनके सुनिश्चित कैरियर प्रगति (एसीपी) से संबंधित व्यापक प्रस्ताव तैयार करने और उसकी समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 1,700 पंचायत लेखा सहायकों की लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान को गति मिलने की उम्मीद है। ये कर्मचारी जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) के माध्यम से नियुक्ति के बाद से सेवा नियमों, पदोन्नति के अवसरों तथा सुव्यवस्थित कैरियर प्रगति व्यवस्था की मांग कर रहे थे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव

मोहम्मद एजाज असद द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 109-जेके (आरडी एंड पीआर), 2026 के अनुसार पांच सदस्यीय समिति को विभाग में कार्यरत पंचायत लेखा सहायकों की कैरियर प्रगति से जुड़े सभी पहलुओं का अध्ययन कर एक व्यापक प्रस्ताव तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति की अध्यक्षता ग्रामीण विकास निदेशक, कश्मीर करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में निदेशक वित्त, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, अतिरिक्त सचिव वर्क्स, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, उप विधि स्मरण अधिकारी पी तथा अवर सचिव आर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग शामिल हैं। अवर सचिव आर समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। सरकार ने समिति को निर्देश दिए हैं कि वह निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी सिफारिशें तथा संबंधित अभिलेख प्रशासनिक विभाग को सौंपे, ताकि प्रस्ताव पर सरकार उचित निर्णय ले सके। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के सचिव मोहम्मद एजाज असद ने कहा कि समिति का गठन इस मुद्दे का व्यापक अध्ययन कर समयबद्ध तरीके से अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के उद्देश्य से किया गया है, जिससे मामले को सरकार के समक्ष अंतिम निर्णय के लिए रखा जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल पंचायत लेखा सहायकों की वास्तविक सेवा संबंधी चिंताओं के समाधान के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुव्यवस्थित और परामर्श आधारित होगी। सचिव ने पंचायत लेखा सहायकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे खंड विकास कार्यालयों में वित्तीय कार्यों के संचालन के साथ-साथ विभिन्न प्रमुख ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाते हैं। इनमें वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) तथा अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाएं शामिल हैं।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

माथेरान

प्रदूषण से मुक्त खूबसूरत हिल स्टेशन

महाराष्ट्र का खूबसूरत हिल-स्टेशन माथेरान दुनिया भर की उन गिनी-चुनी जगहों में से एक है जहां किसी भी किस्म के मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है।

इस तरह यह न सिर्फ एक प्रदूषणरहित बल्कि अपने आपमें विशेष और बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। रायगढ़ जिले में स्थित माथेरान को देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं। माथेरान में घूमते हुए सैलानियों को कुदरत से बेहद निकटता का एहसास होता है।

यहां देखने के लिए 20 से ज्यादा व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं। लिटिल चॉक और चॉक पॉइण्ट से नवी मुंबई की ओर के बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है।

माथेरान में जहां बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों के खूबसूरत और आकर्षक नजारे बेहद मनमोहक लगते हैं वहीं पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य भी देखने को मिल जाते हैं।

पेड़ों की घनी दीवारों के बीच जैसे खिड़कियां-सी खुलती हैं जहां से इन अद्भुत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। दरअसल पूरे माथेरान में पैदल रास्ते भी कच्ची-पक्की पगडंडियों के तौर पर ही मिलते हैं जिनके जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।

वैसे तो सालभर ही माथेरान में कुदरती सुंदरता के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं लेकिन जून से अगस्त यानी बारिश के महीनों को छोड़कर बाकी समय मौसम बेहद सुहावना रहता है। बारिश के मौसम में बादलों के बीच दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है लेकिन बारिश के मौसम का भी यहां अपना अलग मजा है।

माथेरान पहुंचने के लिए मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलनेवाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग इक्कीस किमी का सफर तय कर सवारियों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है।

यह टॉय ट्रेन भारत के सबसे घुमावदार रेल पथ पर चलती है, जिसका ग्रेडियेन्ट 1:20 है। लगभग 2 से ढाई घंटे की इस छोटी से यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार सवारियों को अपने कोच की सीट पर बैठे-बैठे अचानक अगला कोच या कहीं-कहीं रेलवे ट्रेक पर घुमाव लेते हुए पूरी ट्रेन ही नजर आ जाती है ऐसे में ये दृश्य काफी आकर्षक लगता है।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

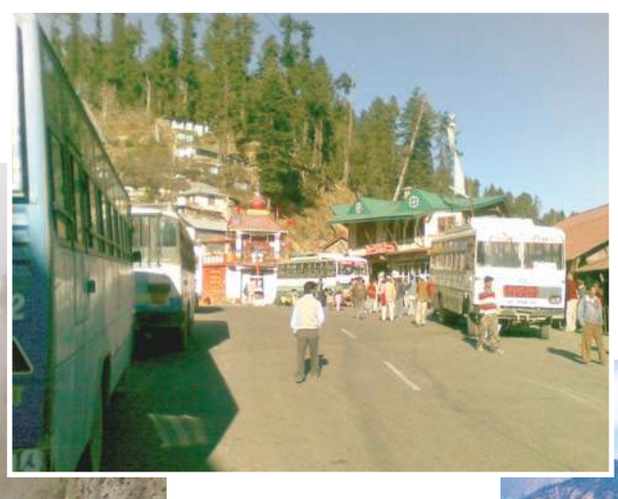

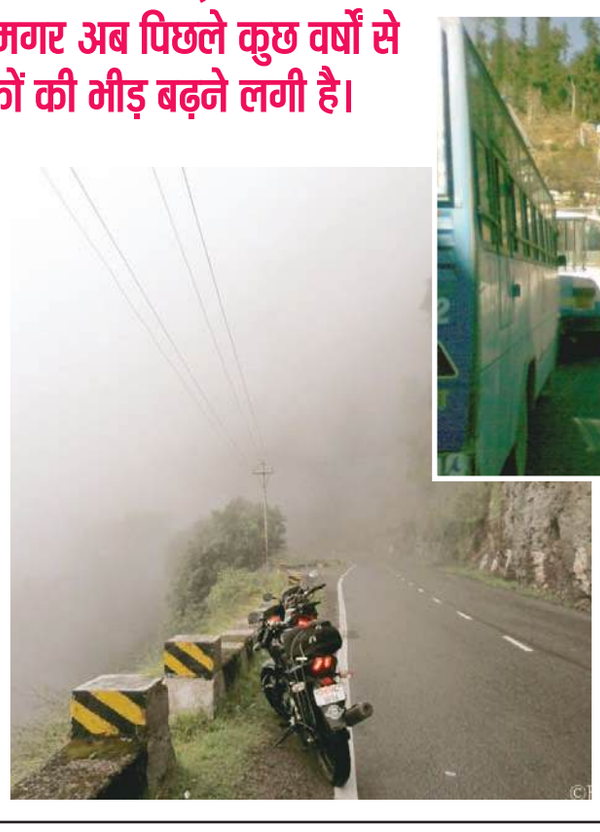

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

डिविज़नल कमिश्नर, आईजीपी और सीनियर अधिकारियों ने दारा सांगला में चल रहे तलाश और बचाव अभियान का जायज़ा लिया

पुंछ, 21 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के डिविज़नल कमिश्नर, आईजीपी जम्मू और सीनियर अधिकारियों ने पुंछ जिले के सुरनकोट के दारा सांगला में चल रहे तलाश और बचाव अभियान का जायज़ा लिया

जम्मू के डिविज़नल कमिश्नर रमेश कुमार और जम्मू ज़ोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस भीम सेन तूती ने आज सुरनकोट के दारा सांगला इलाके का दौरा किया। यह दौरा हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद वहां चल रहे तलाश, बचाव और राहत कार्यों का जायज़ा लेने के लिए किया गया। उनके साथ राजौरी-पुंछ रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, पुंछ के डिप्टी कमिश्नर, पुंछ के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस और अन्य सीनियर सिविल व पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान ज़मीनी हालात का आकलन किया गया और चल रहे ऑपरेशन की प्रगति की समीक्षा की गई।

दौरे के दौरान अधिकारियों ने ऑपरेशन में लगे ज़िला पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के कर्मचारियों से बातचीत की और मुश्किल हालात में उनकी समर्पित कोशिशों की तारीफ़ की।

वे प्रभावित लोगों से भी मिले और उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से हर संभव मदद दी जा रही है।

अधिकारियों ने तलाश और बचाव अभियान को असरदार ढंग से जारी रखने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर ज़ोर दिया।

उन्होंने फील्ड टीमों को सतर्क रहने, लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और प्रभावित परिवारों को समय पर मदद पहुंचाने के निर्देश दिए साथ ही यह भी कहा कि ऑपरेशन में कोई कसर न छोड़ी जाए।

बता दें कि पुंछ ज़िला पुलिस, सिविल एडमिनिस्ट्रेशन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर सर्च, रेस्क्यू और राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है।

खराब मौसम व बरसात के बीच जम्मू मंडल के अधिकारी व कर्मचारी 24 घंटे अलर्ट पर, यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

जम्मू, 21 जुलाई । जम्मू-कश्मीर में हो रही लगातार बरसात और खराब मौसम के बीच *उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल* के सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। विषम मौसम में भी ट्रेनों का सुचारू संचालन बनाए रखने और यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए रेल प्रशासन ने हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए मंडल का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रखा गया है। मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभाग* द्वारा मंडल में चलने वाली सभी ट्रेनों का नियमित तकनीकी रखरखाव किया जा रहा है। *इंजीनियरिंग विभाग* की टीमें पटरियों, पुलों और संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष गश्त कर रही हैं और ट्रैक की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी तरह *सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग* के कर्मचारी बारिश में भी सिग्नल उपकरणों, केबलों और

ओएचई लाइनों की नियमित जांच कर रहे हैं ताकि ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन हो सके। *परिचालन विभाग* सभी ट्रेनों के संचालन को सुरक्षित रूप से सुनिश्चित कर रहा है।

यात्रियों की सुविधा के लिए *वाणिज्य एवं परिचालन विभाग* द्वारा जम्मू तवी सहित मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर पीने के पानी और बैठने की व्यवस्था की गई है। ट्रेनों के विलंब या मार्ग परिवर्तन की स्थिति में यात्रियों को समय-समय पर उद्घोषणा के माध्यम से सही जानकारी दी जा रही है। *रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस* के जवान स्टेशनों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त गश्त कर रहे हैं।

इस संबंध में *मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक कुमार* ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा है। सभी विभाग मिलकर ट्रैक, सिग्नल और स्टेशनों पर लगातार निगरानी रख रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पहले हअश्वस ऐप या 139 हेल्पलाइन से ट्रेन की सही स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और यात्रा के दौरान रेलवे के नियमों का पालन करें।

भारतीय सेना ने पुंछ में आपातकालीन स्थितियों में की तुरंत कार्रवाई, संपर्क बहाल किया और चिकित्सा सहायता प्रदान की

जम्मू, 21 जुलाई (हि.स.)। राजौरी-पुंछ क्षेत्र में कई त्वरित मानवीय सहायता अभियानों के तहत, व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों में तुरंत कार्रवाई की। इससे ज़रूरत के समय स्थानीय समुदायों की सेवा करने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता फिर से साबित हुई। भारतीय सेना के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि पुंछ के जारन वाली गली में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय की बाउंड्री वॉल कई खड़ी गाड़ियों पर गिर गई जिससे तत्काल खतरा पैदा हो गया और एनएच-144ए पर आवाजाही बाधित हो गई। व्हाइट नाइट कोर के जवान बिना देरी किए घटनास्थल पर पहुंचे और विशेष उपकरणों का उपयोग करके मलबा हटाया, फंसी हुई गाड़ियों को बाहर निकाला और स्थानीय निवासियों की मदद की। उनके समन्वित प्रयासों से राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल करने में मदद मिली और यात्रियों तथा आसपास की आबादी को और अधिक असुविधा से बचाया जा सका।

पुंछ के खारी करमारा के पास एक अन्य अभियान में भारी बारिश और तेज बहाव ने एक महत्वपूर्ण पुल को क्षतिग्रस्त कर दिया और स्थानीय संपर्क को बाधित कर दिया। व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने, बीआरओ और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर तत्काल बहाली का काम किया। खराब मौसम और कठिन ज़मीनी हालात के बावजूद, क्षतिग्रस्त संपर्क को तीन घंटे के भीतर बहाल कर दिया गया जिससे प्रभावित समुदाय फिर से जुड़ गया और ज़रूरी आवाजाही शुरू हो सकी। इस बीच पुंछ के दारा सांगला में अचानक आई बाढ़ के बाद एक लोहे का पुल बह गया जिससे गाँव अलग-थलग पड़ गया और चिकित्सा सुविधा तक पहुंच सीमित हो गई। भारतीय सेना की एक चिकित्सा टीम ने लकड़ी के लट्ठों से बने अस्थायी पुल का उपयोग करके बाढ़ग्रस्त नाले को पार किया और प्रभावित निवासियों तक पहुंची। टीम ने तेज़ी से मरीज़ों की स्थिति का आकलन किया, आपातकालीन प्राथमिक उपचार प्रदान किया, एक घायल नागरिक का इलाज किया और महिलाओं, बच्चों तथा अन्य ग्रामीणों को ज़रूरी दवाएं दीं। समय पर की गई इस कार्रवाई से घायल व्यक्ति की स्थिति को स्थिर करने और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को रोकने में मदद मिली। इन अभियानों ने कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में भारतीय सेना की तैयारी, व्यावसायिकता और मानवीय भावना का प्रदर्शन किया। त्वरित बचाव, बहाली और चिकित्सा सहायता के माध्यम से जवानों ने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की, महत्वपूर्ण संपर्क बहाल किया और प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता प्रदान की।

भारी बारिश की संभावना को देखते प्रशासन ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां शुरू की

जम्मू, 21 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में 21 से 24 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना को देखते हुए आर.एस. पुरा प्रशासन ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी के तहत मंगलवार को पुलिस प्रशासन द्वारा बलोल नाला सहित अन्य नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के पास जाने से बचें तथा मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :– 433–सिग–टी–30–26–27 दिनाँक : 21.07.2026

बंद होने की तिथि / समय : 14.08.2026 को 15:00 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं. 433-सिग-टी-30-26-27 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 14.08.2026 को 15:00 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवाएं। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडंर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	(i) फिरोजपुर डिविजन में 06 स्थानों पर Statcon Energia द्वारा निर्मित IPS सिस्टम का तीन वर्षों के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध का कार्य। (ii) फिरोजपुर डिविजन में TAN के अनुसार रिंग अर्थ व्यवस्था सहित उपकरणों की इक्विपोटेंशियल अर्थिंग के साथ–साथ BRC (बॉन्डिंग रिंग कंडक्टर) की व्यवस्था का कार्य।		
टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	(i) 14.08.2026 15:00 (ii) 13.08.2026 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	21.07.2026 12:38
अनुमानित कीमत	(i) 2595056.40 (ii) 34899036.57	बिल्डिंग आरम्भ की तिथि (आईआरईपीएस)	(i) 31.07.2026 (ii) 30.07.2026
ब्याना राशि (रु.)	(i) 51900.00 (ii) 698000.00	कार्य पूरा करने की अवधि	(i) 36 महीने (ii) 9 महीने
नोटः	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि के बारे में स्वयं को अपडेट रखें।		

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2509/26

पीएम गतिशक्ति पर क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित, डीसी ने जीआईएस पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर दिया जोर

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। जिला उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य जिला अधिकारियों को जीआईएस-आधारित पोर्टल के उपयोग के लिए सक्षम बनाना और एकीकृत योजना, बुनियादी ढांचा विकास तथा विभागीय समन्वय को मजबूत करना था। डीसी ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म डेटा-आधारित प्रशासन और त्वरित निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी विभागों को पोर्टल का एक्सेस लेकर योजनाओं की योजना, मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में इसका अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों को मेकर, चेकर और अप्रूवर नामित कर पोर्टल पर डेटा के समयबद्ध और प्रमाणित अपलोड सुनिश्चित करने तथा बेहतर समन्वय बनाए रखने को भी कहा। कार्यशाला में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की तकनीकी टीम ने पोर्टल संचालन, डीयूएमएस, एनालिटिकल टूल्स और डेटा प्रबंधन पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। इस दौरान तकनीकी विशेषज्ञ संतोष कुमार राय और युधिष्ठिर सेठ ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी। कार्यक्रम में जीएम डीआईसी, पीओ आईसीडीएस, आरटीओ, एसीडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः– 62, 63-2026-27-ADEN-JUC & 64-2026-27-ADEN-I-ASR दिनांक : 20.07.2026

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता– तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई– निविदाएं, अंतिम तिथि 10.08.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल /संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेविट कार्ड व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
17.07.2026	27.07.2026	10.08.2026 15:00 बजे

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1	62-2026-27-ADEN-JUC	सहायक मंडल अभियंता/जालंधर सिटी के अंतर्गत जालंधर सिटी – ब्यास सेक्शन पर पुल संख्या 58 के विभिन्न मेहराबों की मरम्मत।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	7499422.81	150000.00	60 दिन	06 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः "ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम''				
2	63-2026-27-ADEN-JUC	फिरोजपुर, जालंधर सिटी, MCTM (शहीद कैप्टन तुषार मेहता) और SVDK (श्री वैष्णो देवी कटरा) में रनिंग रूम की क्षमता बढाने के सिलसिले में जालंधर सिटी में रनिंग रूम का विस्तार किया जा रहा है, जिसके तहत 10 अतिरिक्त कमरे बनाए जांएगे।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	8024077.24	160500.00	60 दिन	12 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः "इमारत / आवास का निर्माण।''				
3	64-2026-27-ADEN-I-ASR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम/अमृतर के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभागीय अभियंता/वर्क्स/WS/अमृतसर के सेक्शन में, अमृतसर रेलवे कॉलोनी के A, B और C ब्लॉक में पानी की सप्लाई जैसी कर्मचारियों की विभिन्न सुविधाओं में सुधार।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	24585712.25	491700.00	60 दिन	12 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः "ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम''				

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2498/26

Government of Jammu & Kashmir UnionTerritory

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION UDHAMPUR

NOTICE INVITING TENDER

Fresh e-NITNo.80 of 2026-27Dated:-20.07.2026 (2nd Call)

For and on behalf of the Lieutenant Governor of Union Territory of UnionTerritoryofJ&Ke-tenders are invited on percentage basisfrom the eligible consultants registration with Council ofArchitecture (CoA) India for the below mentioned work:

S. No.	NameofWork	Estimated Cost	Cost of Tender Document (In Rs.)	Earnest money @2%of Advertised Cost	Time of completion	Time & Dateof Opening of tender (TechnicalBid)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	Providing structural and architectural consultancy for Construction of existing hall at Chief Education Office Udhampur for utilization as conference hall	3.62	600/- (only treasury challanwillbe accepted)	7240/-	30days	**28.07.2026 after1200Hrs**
2.	Providing structural and architectural consultancy for Construction of NTPHC Building at Pangara District Udhampur	2.21	600/- (only treasury challanwillbe accepted)	4420/-	30 days	**28.07.2026 after1200Hrs**

PositionofAAA = Accorded
Positionoffunds = Available

1. Date of publishing of Tender Notice 20-07-2026
2. Period of downloading of bid documents 21-07-2026from0900Hrs.
3.Bid submission Start Date 21-07-2026from0900Hrs.
4.Bid Submission End Date 27-07-2026upto1800Hrs.
5.Date & time of opening of Technical Bids(Online) 28-07-2026after1200Hrs.
6.Date&timeofopeningofFinancialBids(Online) To be notified after technical bid evaluation is completed.

1. The Bidding documents consisting of qualifying information,eligibilitycriteria,termsand conditions and otherdetails can be seen/downloaded from the website
2. Bidders shall upload EMD in the shape of CDR/FDR duly pledged to the Executive Engineer, PWD (R&B) Division, Udhampur. The Earnest Money Deposit (2% of the Advertised Cost of the tender) from all the bidders in the shape of CDR/FDR before evaluation of technical bids. The EMD of successful bidder shall be released after successfully completion of the work. The earnest money of theunsuccessfulbidder shallbe released only after submission ofTreasury Challan.
3. Cost of tender document: Bid must be accompanied with cost of tender document in shape of Treasury Challan/receipt issued after date of issuance of e-NIT under MH 0059-Rev mentioning thename of workotherwise will not be acceptedfor which the tender fee was deposited in favour of Executive Engineer PWD (R&B) Division Udhampur. Copy of receipt of cost of tender document should be uploaded on official website www.jktenders.gov.inupto the specified bid submission dateand time.
4. Timeschedule:Thework,asper"Scopeofwork"shouldbecompletedin90days.
5. Clarification: Bidders can seek clarification to the RFP document by writing at email id:-xenrandbudhampur@gmail.comor from the office of Executive Engineer PWD(R&B) Division Udhampur on any working day.
6. Instructiontobiddersregardinge-tenderingprocess.
6.1 Biddersare advised to download bid submission manual from the"Downloads" option as well asfrom "Bidders Manual Kit" on websiteto acquaint bid submission process.
6.2. Toparticipateinbiddingprocess,biddershavetoget'DigitalSignatureCertificate(DSC)'asper Information Technology Act-2000.Bidders cangetdigital certificatefrom any approved vendors.
6.3. The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financialbid will be accepted in physical form.
6.4. Bidswillbeopenedonlineaspertimeschedulementionedin NIT.
6.5. Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBDwith technical bid.
Note:-Scanallthedocumentson100dpiwithblackandwhiteoption.
7. Thedepartmentwillnotberesponsiblefordelayinonlinesubmissionduetoanyreasons.
8. Validity: The offer shall remain valid for a period of 60 days (sixty) from the date of opening of financial bid.
9. Thedateandtimeofopeningoffinancialbidsshallbenotifiedonwebsitewww.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The financial Bids of Responsive bidders shall be opened online in the officeofExecutiveEngineer PWD (R&B) Division Udhampur. The date for same shall be intimated separately.

No:-7865-70 Dated:-20.07.2026

DIP/J-6290/26
Dtd: 21-7-2026

Sd/-
Executive Engineer PWD
(R&B) Division Udhampur

कठुआ में मूसलाधार बारिश का कहर, जनजीवन अस्त-व्यस्तय कई गांवों का संपर्क टूटा, प्रशासन अलर्ट

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ी से लेकर मैदानी इलाकों तक बारिश का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर मैदानी क्षेत्रों में नदी-नाले उफान पर हैं वहीं दूसरी ओर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के चलते आवाजाही ठप हो गई है। जिले के प्रमुख जल स्रोत मगर खड्ड, उज्ज दरिया और सहार खड्ड में जल स्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। तेज बहाव के चलते आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। खासकर कंडी क्षेत्र में कई गांवों का संपर्क कट गया है जिससे स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कठुआ शहर के समीप मगर खड्ड के पास स्थित चक गोटा गांव को जाने वाला रास्ता बाढ़ की चपेट में आ गया है। इस कारण करीब 500 परिवार प्रभावित हुए हैं। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लेते हुए प्रभावित लोगों को जल्द राहत पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसी तरह कठुआ के निचले इलाके शेरपुर की ओर जाने वाला मार्ग भी बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है। उधर शहर में जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खुल गई है। भारी बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया जबकि नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहता नजर आया जिससे गंदगी फैल गई और लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर हटली मोड़ के पास जलभराव की स्थिति गंभीर बनी रही जहां कई वाहन पानी में फंस गए और खराब हो गए। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं,जिससे यातायात बाधित हुआ है। जिला प्रशासन ने मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर अगले 24 घंटों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी-नालों के पास न जाएं और अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। पुलिस विभाग ने भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और किसी भी परेशानी की स्थिति में तुरंत संपर्क करने की सलाह दी है।

संपादकीय

नशे के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहनी चाहिए

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का 100 दिवसीय 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के बाद भी नशे के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का निर्णय पूरी तरह सही कदम है, जिसे समाज के हर वर्ग का मजबूत समर्थन मिलना चाहिए। उनका यह कहना कि मादक पदार्थों और नार्को-टेरर के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की लड़ाई अब निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और यह संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है, इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन इस बार बिना किसी ढिलाई के इस सामाजिक बुराई को केंद्र शासित प्रदेश की धरती से पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब समय आ गया है कि अवैध नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वाले लोग कानून के तहत सबसे कठोर कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। इस संदर्भ में यह संतोषजनक है कि उपराज्यपाल का रुख पूरी तरह स्पष्ट है। उनका मानना है कि नशे और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ अभियान किसी निश्चित अवधि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने तक यह लगातार जारी रहेगा।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की लत आज जम्मू-कश्मीर के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुकी है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इसका सबसे बुरा प्रभाव युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है। बड़ी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं, जो केवल सामाजिक चिंता का विषय नहीं बल्कि परिवारों, समाज और देश की प्रगति के लिए भी गंभीर खतरा है। नशा स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, परिवारों को कमजोर करता है, अपराध को बढ़ावा देता है और ऐसी परिस्थितियां पैदा करता है, जिनका फायदा राष्ट्र विरोधी तत्व भी उठा सकते हैं।

ऐसे में अवैध नशे के इस पूरे नेटवर्क को पूरी तरह समाप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस गंभीर समस्या को देखते हुए यह अभियान तब तक पूरी ताकत के साथ जारी रहना चाहिए, जब तक केंद्र शासित प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार की पूरी व्यवस्था ध्वस्त नहीं हो जाती।

पिछले तीन महीनों से अधिक समय के दौरान जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान पर नजर रखने वाले लोग इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि कार्रवाई पूरी तरह सक्रिय और आवश्यकता आधारित रही है। इस दौरान हजारों प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गईं, नशे के कई नेटवर्क ध्वस्त किए गए, ड्रग्स हॉटस्पॉट की पहचान की गई तथा मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़ी संपत्तियों को जब्त किया गया।इस अभियान के माध्यम से नशे के कारोबार में शामिल लोगों तक यह स्पष्ट संदेश पहुंचा है कि जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उम्मीद की जा सकती है कि निकट भविष्य में जम्मू-कश्मीर इस अभिशाप से पूरी तरह मुक्त होकर एक नई सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगा।

'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की सबसे सराहनीय बात यह रही कि प्रशासन ने केवल कानून लागू करने पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया, बल्कि जनजागरूकता, नशा मुक्ति, पुनर्वास और सामुदायिक भागीदारी को भी समान महत्व दिया, जिससे यह अभियान हर दृष्टि से अधिक प्रभावी और व्यापक बन सका।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं इस अभियान का नेतृत्व करते हुए जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों का दौरा किया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने जनता के बीच यह संदेश दिया कि यदि सरकार और समाज मिलकर प्रयास करें तो नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा करने का अवसर

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा।

राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है। आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है। संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति गरिमा बनाये रखने में हैं वहीं बहस की गुणवत्ता, गंभीरता और सदन में आचरण की मर्यादा से ही संवैधानिक संस्थाएं मजबूत होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं और उनका मानना रहा कि विधानसभा उनके लिए संस्कारों की पाठशाला रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि दुश्मनी जमकर करों पर खिड़की भी खुली रखों। इंसानियत राजनीति की लक्ष्मण रेखा से बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने स्व. भैरोसिंह शेखावत और स्व. मोहन लाल सुखाड़िया व स्व. भैरोसिंह शेखावत व स्व. हरिदेव जोशी के बीच सदन और सदन के बाहर के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि संबंधों की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा जाना चाहिए। मतभेद भले ही हो पर मनभेद नहीं होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली सहित पक्ष विपक्ष के नेताओं ने खुलकर विचार रखते हुए विधायिका की कम बैठकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि सामान्यतः इस तरह के कार्यक्रम मात्र औपचारिकता बन कर रह जाते हैं पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को लोकतंत्र के लिए उपादेय, लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, सत्र के दौरान बहस के स्तर की गंभीरता, दलगत राजनीति से उठकर साझा मंच पर खुली चर्चा और अनुभवों का साझा करने से यह आयोजन विशिष्ठ आयोजन हो जाता है। जिस तरह से सत्रों के दौरान हंगामें के हालात बनते हैं और आपसी मतभेद और मनभेद की स्थितियां होने लगी है इस पर चिंता व्यक्त करने के साथ ही विधानसभा के पहले के सत्रों में गंभीरता, तथ्यात्मकता, गहन अध्ययन और स्तरीय बहसों के उदाहरण उद्दृत करते हुए गंभीर और स्तरीय बहस पर जोर दिया गया। यहां तक कहा गया कि हंगामें से नहीं तथ्य और तर्क व संवाद से बड़े नेता बनते हैं। लोकतंत्र की लक्ष्मण रेखा से इंसानियत की भावना पर जोर दिया गया।

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का यह कहना कि अनुभव और युवा उर्जा का समागम ही लोकतंत्र की असली पूंजी है। देखा जाए तो राजस्थान विधानसभा के अमृत उत्सव का यह आयोजन जहां लोकतंत्र की मजबूती, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र में अटूट आस्था, गौरवशाली लोकतांत्रिक आस्था का माध्यम बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निकश की यह आयोजन अतीत का उत्सव ही नहीं अपितु भविष्य का पथ-प्रदर्शक भी है। राजस्थान विधानसभा के इस अमृत महोत्सव पर जिस तरह से सत्रों के दौरान बहस को स्तरीय बनाने, हंगामें की भेंट नहीं चढ़ाने, गहन अध्ययन और तर्क आधारित बहस और पूरी तैयारी के साथ सदन में हिस्सा लेने पर जिस तरह का एक स्वर में संदेश दिया गया है और जिस तरह से विचारधारा और प्रतिवद्धता भिन्न होने के बावजूद मानवीय संबंधों को बनाये रखने यानी की मतभेद के बावजूद मनभेद नहीं रखने का गंभीर व संदेश दिया गया है। अमृत महोत्सव में अभी चार कार्यक्रम और होने है और कार्यक्रमों पर आमजन की निगाहें इस मायने में हैं कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही आमनागरिकों केन्द्र में होना चाहिए। आयोजन के लिए साधुवाद इस अर्थ में महत्वपूर्ण हो जाता है कि नए सदस्यों को गरिमापूर्ण इतिहास से रुबरु होने के साथ ही वरिष्ठों के अनुभवों को भी साझा और आत्मसात करने का अवसर मिल रहा है। सही मायने में विधायी परंपरा को समझने, संसदीय मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों पर अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला है।

वर्षा ऋतु में खान-पान और हमारा पारंपरिक स्वास्थ्य विज्ञान

आचार्य ललित मुनि

हमारी परम्परा में जीवन पद्धति में भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, ऋतु और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों और आयुर्वेदाचार्यों ने हजारों वर्षों के अनुभव के आधार पर यह सिद्ध किया कि प्रत्येक ऋतु के अनुसार भोजन में परिवर्तन करना चाहिए। आयुर्वेद में इसे ऋतुचर्या कहा गया है। इसका उद्देश्य शरीर के दोषों का संतुलन बनाए रखना तथा ऋतु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों से रक्षा करना है। वर्षा ऋतु को आयुर्वेद में विशेष सावधानी का समय माना गया है। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर की पाचन क्षमता, वातावरण और रोगों की प्रकृति में भी बदलाव का काल है। यदि इस समय खान-पान में सावधानी न बरती जाए तो अनेक प्रकार के संक्रमण, पाचन संबंधी विकार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां जन्म लेने लगती हैं

वर्षा ऋतु में क्यों बदल जाता है शरीर का स्वभाव?ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी के बाद जब वर्षा होती है, तब वातावरण में नमी बढ़ जाती है और सूर्य का प्रकाश कम हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय जठराग्नि अर्थात पाचन शक्ति मंद पड़ जाती है। भोजन पहले की अपेक्षा धीरे पचता है और शरीर रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। यही कारण है कि वर्षा ऋतु में दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा, वायरल संक्रमण तथा त्वचा संबंधी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि वर्षा के मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद तेजी से पनपते हैं। दूषित जल और भोजन अनेक संक्रामक रोगों का कारण बनते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल स्वाद नहीं, बल्कि भोजन की शुद्धता, ताजगी और पाचन क्षमता सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

पूर्वजों की दूरदर्शिताआज की तरह पहले हर मौसम में हर प्रकार की सब्जियां उपलब्ध नहीं होती थीं। इसलिए हमारे पूर्वज वर्षा ऋतु आने से पहले ही उसकी तैयारी कर लेते थे। ग्रीष्म ऋतु में गेहूं, चावल, दाल, गुड़, घी और अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थ संग्रहित कर लिए जाते थे। इसी समय दाल की बड़ी, बिजौरी, पापड़, सूखी मिर्च, अमचूर, इमली तथा विभिन्न प्रकार के अचार तैयार किए जाते थे। अनेक क्षेत्रों में सब्जियों और पत्तेदार भाजियों को काटकर धूप में सुखाया जाता था। छत्तीसगढ़ में इन्हें सुखसी, सुखड़ी, सुखौंत, खोइला अथवा खेलरा जैसे नामों से जाना जाता है। मेथी, पालक, लाल भाजी, चौलाई और अन्य सागों को सुखाकर वर्षा ऋतु में उपयोग किया जाता था। मांसाहारी समुदाय भी मछली और मांस को सुखाकर सुरक्षित रखते थे ताकि वर्षा के दिनों में ताजा मांस पर निर्भर न रहना पड़े। यह केवल भोजन संग्रह की व्यवस्था नहीं थी, बल्कि मौसम के अनुकूल जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति थी।

वर्षा ऋतु में क्या खाना चाहिए?आयुर्वेद वर्षा ऋतु में हल्का, गर्म और ताजा भोजन करने की सलाह देता है। मूंग की दाल, पुराना चावल, गेहूं, जौ, सादा खिचड़ी, सूप तथा कम मसालों में बना हुआ भोजन आसानी से पचता है। भोजन में अदरक, काली मिर्च, जीरा, हींग, हल्दी और धनिया जैसे मसालों का सीमित उपयोग पाचन शक्ति को बढ़ाने में सहायक माना गया है। गुनगुना पानी पीना, उबला हुआ जल प्रयोग करना तथा भोजन ताजा बनाकर खाना इस ऋतु में विशेष लाभकारी माना गया है। गुड़, घी और सीमित मात्रा में देशी मसालों का प्रयोग शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है तथा पाचन को भी सहयोग देता है।

किन खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए?भारतीय परंपरा में वर्षा ऋतु के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन सीमित रखने की सलाह दी गई है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में उनमें कीट, अंडे, फफूंद और रोगाणुओं की संभावना बढ़ जाती है। आज भी चिकित्सक बिना अच्छी तरह धोए और पकाए पत्तेदार सब्जियां खाने से बचने की सलाह देते हैं।

गैर-मौसमी सब्जियां और बदलती आदतेंकृषि तकनीक और संरक्षित खेती के कारण आज लगभग हर मौसम में हर प्रकार की सब्जियां उपलब्ध हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक वस्तु हर ऋतु में शरीर के लिए समान रूप से लाभकारी भी हो। अनेक गैर-मौसमी सब्जियां रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और कृत्रिम तकनीकों की सहायता से तैयार की जाती हैं। आज वर्षा ऋतु में टमाटर, प्याज या अन्य सब्जियों के महंगे होने पर व्यापक चर्चा होती है। जबकि प्रश्न यह होना चाहिए कि क्या वास्तव में इस मौसम में उनका अधिक सेवन आवश्यक है? हमारे पूर्वजों ने जिस वस्तु का प्राकृतिक उत्पादन जिस ऋतु में होता था, उसी समय उसका सेवन अधिक किया। इससे शरीर भी प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखता था। पारंपरिक भोजन की वैज्ञानिकताभारत के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के लिए अलग-अलग भोजन विकसित हुए। कहीं बड़ी और पापड़ का उपयोग होता था, कहीं सूखी सब्जियां बनाई जाती थीं। मसालों का चयन भी मौसम के अनुसार किया जाता था।

'एक देश एक चुनाव की अवधारणा कितनी जरूरी'

जनता ने जिस काल अवधि के लिए जनादेश दिया है उसे कम करना संविधान सम्मत नहीं होगा। इसी तरह %एक देश एक चुनाव% को देश के संघीय ढांचे और क्षेत्रीय दलों के अनुकूल नहीं कहा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होने से राष्ट्रीय दलों के पक्ष में बनने वाली राजनीतिक लहर में क्षेत्रीय मुद्दे गौड़ हो जायेगें।

देश में इस समय कुछ सविधान संशोधनों को लेकर चर्चाएं बहुत गरम हैं। सरकार की ओर इन्हें हर हाल में संसद की मुहर लगाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इनमें %एक देश एक चुनाव% सम्बन्धी संशोधन विधेयक प्रमुख है। सरकार ने इस प्रस्ताव पर विचार करने और अपनी अनुशंसा देने के लिए सितम्बर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविद की अध्यक्षता में एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। समिति से इस सम्बन्ध में विचार करने और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। यह पहली बार हुआ कि किसी पूर्व राष्ट्रपति को सरकार के किसी विधायी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए किसी समिति का प्रमुख बनाया गया। इस समिति ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज सहित अन्य सम्बन्धित पक्षों से विचार विमर्श के बाद सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। समिति ने एक देश एक चुनाव की अवधारणा को दो चरणों में लागू करने का सुझाव दिया था। पहले चरण में लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने और दूसरे चरण में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की अनुशंसा की गई थी।मोदी सरकार ने सितम्बर 2024 को कोविद समिति की अनुशंसाओं को मंत्रिमण्डल की बैठक में स्वीकार कर लिया। समिति ने चुनाव सम्बन्धी व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन के सुझाव दिये हैं। उन्होंने संविधान में 82ए अनुच्छेद शामिल करने का सुझाव दिया जिससे राष्ट्रपति को राज्यों की विधान सभाओं के चुनावों को टालने का अधिकार प्राप्त होगा। सभी चुनाव एक साथ कराने के लक्ष्य को वर्ष 2029 के लोक सभा चुनाव के साथ हासिल करने का प्रस्ताव है। इसके लिये संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में भी संशोधन का प्रस्ताव है। इन संशोधनों को संसद के दोनों सदनों से अलग-अलग दो तिहाई बहुमत से पारित होना आवश्यक है और साथ में आधे से अधिक राज्यों की विधान सभाओं से भी इन संशोधनों का अनुमोदन कराना होगा। मान.रामनाथ कोविद उच्च अधिकार प्राप्त समिति में चार आधारों पर अपनी संस्तुतियां दी हैं। कोविद समिति ने चुनाव खर्चों में कमी, आदर्श आचार संहिता लागू होने से नीतिगत फैसलों में विलम्ब को रोकने, सरकारी कर्मचारियों की तैनाती और खर्चे में कमी लाने और आर्थिक विकास की गति को बनाये रखने के लिये अपनी संस्तुतियों को आधार बनाया है। एक देश एक चुनाव के लिए दिये गये सुझावों के आधारों का सम्यक विश्लेषण जरूरी है। इसके अभाव में इस अवधारणा को समझने में असुविधा होगी।

एक देश एक चुनाव से देश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी यह सबसे चौंकाने वाला तर्क है। चुनाव और देश की आर्थिक तरक्की सम्बन्धी आकड़े इसका समर्थन करते नहीं दिखते हैं। देश में 1952 में हुए पहले चुनावों से लेकर 1967 के आम चुनाव तक लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होते रहे हैं। यह सिलसिला कुछ हद तक 1980 के मध्य तक चलता रहा। लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराये जाने की इस अवधि में देश की आर्थिक तरक्की के आंकड़े और बाद के वर्षों में इन चुनावों के अलग-अलग अवधि में हुए चुनावों के दौरान देश की आर्थिक विकास की दर कि तुलना करने पर %एक देश एक चुनाव% से बेहतर आर्थिक विकास का तर्क समझ से परे है। साथ-साथ हुए चुनावों के दौरान देश के आर्थिक विकास का दर 3.5ः प्रतिवर्ष माना गया था। देश में 8 से 9ः की आर्थिक विकास दर वर्ष 2003 से 2011 के बीच हासिल किया जब लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव अलग-अलग समयों पर कराये गये थे। आर्थिक उदारीकरण, विदेशी निवेश में वृद्धि, सूचना प्रौद्योगिकी का विकास, आर्थिक आत्मनिर्भरता और 1991 के आर्थिक सुधार जैसे नीतिगत फैसले उस दौर में किये गये जब लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव साथ-साथ नहीं हो रहे थे।एक देश एक चुनाव% के पक्ष में चुनाव खर्च में कमी को भी प्रमुख आधार बनाया गया है सवाल यह है कि यह कितना तर्कसंगत है। इसका विश्लेषण करने पर यह तर्क खरा नहीं उतरता है। केन्द्र सरकार चुनावों के आयोजन बहुत सारी धनराशि काला धन के रूप में बेहिसाब तरीके से खर्च होता है जो आम तौर पर उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के स्तर पर होता है। एक अध्ययन के अनुसार 2024 के लोक सभा चुनावों के दौरान एक लाख करोड़ रुपये बिना हिसाब-किताब के खर्च किये गये। यह काला धन क्या %एक देश एक चुनाव% की व्यवस्था में खर्च नहीं होगा। इस व्यय को रोकने की प्रभावी व्यवस्था की जा सकेगी। चुनावों को मंहगा करने का

आरोप हाल के दिनों में भारतीय जनता पार्टी पर भी लगते रहे हैं। चुनावी अभियान को विशाल और भव्य बनाने का सिलसिला भाजपा ने ही शुरू किया है। काले धन के उपयोग को रोकने के लिये चुनाव व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और इसके लिये एक देश और एक चुनाव की अवधारणा का पालन आवश्यक नहीं है वरन इसके लिये कठोर कदम उठाने होंगे। चुनाव सुधार अपने आप में एक व्यापक विषय है और इसे एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था से हासिल नहीं किया जा सकता है।के लिए अपनी बजट का 1 प्रतिशत धनराशि भी खर्च नहीं करती है। आम तौर पर चुनावों के आयोजन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही धनराशि आम बजट का 0.1प्रतिशत तक पाया गया है। सवाल यह है कि चुनावों में किसका पैसा खर्च होता है और कितना पैसा खर्च होता है और कौन लोग इसको खर्च करते हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों को माने तो चुनाव को खर्चीला राजनीतिक दल और उम्मीदवार बनाते हैं। आंकड़ों में उम्मीदवार खर्च की सीमा से आधा खर्च व्यय करते हुए पाये जाते हैं लेकिन व्यवहारिक पक्ष क्या है? क्या उम्मीदवार और राजनीतिक दल उतनी ही धनराशि व्यय करते हैं जितना वह अपने अभिलेखों में दिखाते हैं? वास्तव में व्यवहारिक रूप से खर्च होने वाली धनराशि का कही उल्लेख ही नहीं होता।लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव अलग-अलग समयों पर कराने से नीतिगत फैसलों में सरकार के स्तर पर विलम्ब होता है और उन्हें लागू करने में अनावश्यक देरी होने का भी तर्क दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि चुनाव के कारण आदर्श आचार संहिता लम्बे समय तक लागू रहती है जिससे नीतिगत फैसलों में विलम्ब होता है। एक अनुमान के अनुसार प्रत्येक चुनाव में 45 से 60 दिनों तक सरकार के नीतिगत फैसलों की घोषणा रुकी रहती है। नीति आयोग का अनुमान है कि देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग चुनावों के कारण प्रत्येक वर्ष लगभग 4 माह की अवधि आदर्श आचार संहिता के कारण प्रभावित होती है। लेकिन एक साथ चुनाव कराने पर भी पूरे देश में एक काल खण्ड में आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। उस दौरान भी सरकार पर नीतिगत फैसले लेने पर रोक लगी रहेगी। ऐसे में चुनाव कराने की अवधि कम किये जाने के प्रयास किये जाने चाहिए। दरअसल आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने नुकसान का ब्यौरा नहीं दिया जा रहा है। केवल इसे आधार बनाया जा रहा है। आदर्श आचार संहित के लागू होने में नीतिगत फैसलों की प्रक्रिया को लकवाग्रस्त होने के रूप में चित्रित किया जाना तर्कसंगत नहीं है। भौगोलिक संदर्भ

आदर्श आचार संहिता को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराये जाने के उद्देश्य से लागू किया जाता है न कि प्रशासनिक अवरोध के लिए। कहा गया है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संसदीय लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के आधारभूत ढांचे के रूप में इसे शामिल किया है। %एक देश एक चुनाव% की व्यवस्था में बहुमत खोने वाली सरकारों के अगले चुनाव तक सत्ता में बने रहने को लेकर संवैधानिक अड़चनें हैं। कोई भी सरकार तभी तक सत्ता में बनी रह सकती है जब तक उसे जनता का विश्वास प्राप्त है। जनता का विश्वास उसके चुने हुये प्रतिनिधियों के माध्यम से ही व्यक्त होता है। विश्वास खो देने वाली सरकार को किसी भी आधार पर सत्ता में बनाये रखना संविधान सम्मत नहीं कहा जा सकता है। इसके पक्ष में कहा जाने वाला कोई भी तर्क संविधान के मूल ढांचे के विपरीत ही होगा।

%एक देश एक चुनाव% को पहली बार लागू करने के लिए राज्य विधान सभाओं की अवधि या तो कम करनी होगी या बढ़ानी होगी जो संविधान की धारा 83 और 172 का उल्लंघन होगा। संविधान में इन धाराओं के माध्यम से विधान सभाओं की अवधि बढ़ाने से रोका गया है। इसी तरह चुनी गई विधान सभाओं की अवधि को कम किया जाना भी जनादेश का उल्लंघन है।

काउंटी क्लब हैम्पशायर ने वन-डे कप के लिए आशुतोष शर्मा को अपने साथ जोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लिश काउंटी क्लब हैम्पशायर ने भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा के साथ घरेलू वन-डे कप 2026 टूर्नामेंट के लिए करार का ऐलान किया है। टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरु हो रहा है। क्लब ने बताया कि हैम्पशायर क्रिकेट ने पुरुष मेट्रो बैंक वन-डे कप के लिए भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा को साइन किया है। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक गाइल्स व्हाइट ने कहा कि हमें इस बात की बहुत खुशी है कि हमने आशुतोष को वन-डे कप के लिए साइन किया है। वह बहुत काबिल खिलाड़ी हैं और हाल ही में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्हें पता है कि ऊंचे स्तर पर कैसा प्रदर्शन किया जाता है। हम उन्हें अपनी टीम में शामिल करने और हैम्पशायर की जर्सी में उनका खेल देखने के लिए उत्साहित हैं। हम इस टूर्नामेंट में पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। 27 साल के आशुतोष ने लिस्ट ए क्रिकेट में 21 मैचों में 458 रन बनाए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्होंने निचले क्रम में एक बड़े हिटर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। पंजाब किंग्स से डेब्यू करने के बाद आशुतोष ने पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया। बल्लेबाज ने 32 आईपीएल मैचों में 29.68 की औसत और 168.86 की स्ट्राइक रेट से 564 रन बनाए हैं।-

एफआईएच हॉकी विश्व कप तक भारतीय महिला टीम की यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम का बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 तक का सफर दृढ़ता, संकल्प और अपनी क्षमताओं पर अटूट विश्वास से भरा रहा है। महिला एशिया कप 2025 में सीधे क्वालीफाई करने से चूकने के बाद उन्होंने घरेलू मैदान पर आयोजित क्वालीफायर के जरिए विश्व कप में अपनी जगह पक्की की और बाद में न्यूजीलैंड में आयोजित एफआईएच नेशंस कप जीता। ये उपलब्धियां टीम की दृढ़ता और निरंतर विकास को दर्शाती हैं, जो अब आत्मविश्वास और जोश के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी के सबसे बड़े मंच पर जा रही हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक चलेगा। पूल डी में शामिल भारत को ग्रुप चरण में चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका का सामना करना होगा। टीम अपने सभी पूल मैच नीदरलैंड्स के एमस्टेलवीन स्थित वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी। भारतीय टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ, उसके बाद 18 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। एशिया कप 2025 के दौरान भारत सीधे क्वालीफाई करने के बेहद करीब पहुंच गया था। फाइनल तक के शानदार सफर के बाद भारत मेजबान चीन से हार गया और विश्व कप में सीधे प्रवेश पाने से चूक गया था।

आईएसएसएफ विश्व कप राइफल-पिस्टल-शॉटगन के लिए भारतीय दल तैयार

नई दिल्ली। चीन के हांगझोऊ में 20 से 29 जुलाई तक होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2026 के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार हैं। विश्व कप में भारत की ओर से व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में अनुभवी और युवा निशानेबाजों का मजबूत दल हिस्सा ले रहा है। टूर्नामेंट के पदक मुकाबले 22 जुलाई से 28 जुलाई तक खेले जाएंगे। भारतीय दल में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के अलावा ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, सिफ्त कौर समरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भनवाला जैसे प्रमुख निशानेबाज शामिल हैं। राइफल स्पर्धाओं में पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पाडेकर महिलाओं की स्पर्धा में भाग लेंगी। 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस में पुरुषों की प्रतियोगिता में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष हिस्सा लेंगे। महिलाओं की स्पर्धा में आशी चौकसे, विदरसा के. विनोद और सिफ्त कौर समरा शामिल हैं।

हर्डल को देश में जैवलिन जैसी लोकप्रियता दिलाना चाहता हूं: तेजस शिर्से

नई दिल्ली । 23 साल के तेजस शिर्से 110-मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। उनका अगला लक्ष्य कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि वह देश में हर्डल को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं। ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले आईएएनएस से खास बातचीत में तेजस शिर्से ने कहा, 'जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है। मैं वहां जाकर यह नहीं कहना चाहता कि यह प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रक्रिया मेरे लिए है। दुनिया के लिए जीत ही मायने रखती है। मुझे बस जीत की परवाह है। दुनिया भी जीत की ही परवाह करेगी। मैं दुनिया में सबसे अच्छा बनना चाहता हूं। मैं जिस भी इवेंट में हिस्सा लूं, उसमें सबसे अच्छा बनना चाहता हूं। अगर मेरी सोच ऐसी नहीं होगी, तो मैं कभी ऐसा नहीं कर पाऊंगा। मैं बस कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में जाकर जीतना चाहता हूं—यही एकमात्र लक्ष्य है।' कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में जगह बनाना तेजस शिर्से के लिए आसान नहीं रहा है। पिछले साल हर्डल के दौरान एक टक्कर के कारण उनके टखने में कई जगह चोट लग गई।

एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड्स 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम में अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होगा। भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले नीदरलैंड्स के एम्स्टलवीन में खेलेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, यह एक संतुलित

टीम है। इसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। भारत-पाकिस्तान मैच पूल चरण का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला माना जा रहा है। फुल्टन ने कहा, 'प्रेस, काउंटर और प्रदर्शन' केवल हमारी रणनीति नहीं है, बल्कि यही इस टीम की सोच और प्रशिक्षण का आधार भी है। हम फिलहाल बहुत आगे नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समय में एक मैच पर पूरा ध्यान देना है और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने आगे कहा, 1975 में भारत ने विश्व कप जीता था। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के 50 साल बाद इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना नया अध्याय लिखने का अवसर है और इसे लेकर हम सभी बेहद उत्साहित हैं।

भारतीय टीम

गोलकीपर:
मोहित एचएस, सूरज करकेरा

डिफेंडर:
जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच

मिडफील्डर:
मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे

फॉरवर्ड:
मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

जून 2026 के लिए आईसीसी वूमेन प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं डैनी व्याट-हॉज

एजेंसी

दुबई। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्याट-हॉज ने 'जून 2026' का आईसीसी वूमेन प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसकी घोषणा की। डैनी ने हाल में समाप्त हुए आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल तक इंग्लैंड के सफर में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 302 रन बनाए थे। इंग्लिस बल्लेबाज इससे पहले नवंबर 2024 में भी यह अवॉर्ड जीत चुकी हैं। इस बार उन्होंने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की स्पिनर श्री चरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड हासिल किया। भौगोलिकसंदर्भआईसीसी की ओर से जारी बयान में डैनी व्याट ने कहा कि मैं यह अवॉर्ड जीतकर बहुत खुश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह घरेलू जमीन पर खेले गए वर्ल्ड कप में मेरे

प्रदर्शन के लिए मिला है। डैनी ने जून महीने में छह मैचों में 71.75 की औसत और 151.85 के स्ट्राइक रेट से 287 रन बनाए। उनकी यादगार पारियों में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 105 रन, वेस्टइंडीज के खिलाफ 65 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 89 रन की मैच जिताऊ पारी शामिल रही, जिसकी बदौलत इंग्लैंड विश्व कप फाइनल तक पहुंचा था।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद नई रैंकिंग जारी, स्पेन बना नंबर-1, अर्जेंटीना दूसरे स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के साथ ही स्पेन ने फीफा पुरुष फुटबॉल रैंकिंग में भी नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। विश्व कप फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में विजयी गोल दागकर स्पेन को उसका दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब दिलाया। इस उपलब्धि के साथ स्पेन अब पुरुष और महिला दोनों फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गया है। स्पेन की महिला टीम भी मौजूदा विश्व चैंपियन है।

अर्जेंटीना दूसरे, फ्रांस तीसरे स्थान पर बरकरार

लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद फ्रांस तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि इंग्लैंड चौथे स्थान पर बना हुआ है। यूईएफए नेशंस लीग

चैंपियन पुर्तगाल, जिसे विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बाहर किया था, दो स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, इसी दौर में बाहर होने वाला ब्राजील एक स्थान की छलांग लगाकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष-5 में लौट आया है और अब पांचवें स्थान पर है।

चार बार का विश्व चैंपियन जर्मनी विश्व कप के राउंड ऑफ-32 में पैराग्वे से पेनाल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हो गया था। इसका असर रैंकिंग पर भी पड़ा और जर्मनी दो स्थान नीचे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया। यह सितंबर 2025 के बाद उसकी सबसे खराब रैंकिंग है।

मेजबान देशों में मेक्सिको ने लगाई सबसे बड़ी छलांग

विश्व कप के सह-मेजबान देशों में मेक्सिको ने सबसे बड़ी प्रगति की। मेक्सिको चार स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गया। टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अपने घरेलू मैदान एज़्टेका स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। फीफा के अनुसार, जून रैंकिंग चक्र के दौरान कुल 105 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें से 104 मुकाबले फीफा विश्व कप 2026 के थे। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित हुआ।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: 23 जुलाई से होगा आगाज

एजेंसी

स्कॉटलैंड। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 74 देशों और क्षेत्रों के 3,000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 11 दिनों तक चलने वाले इन खेलों में 11 खेलों की 215 पदक स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में ओलंपिक और विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के साथ कई उभरते सितारे भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। खेलों की शुरुआत 23 जुलाई को बाउल्स और पैरा बाउल्स से होगी, जबकि समापन 2 अगस्त को ट्रैक साइक्लिंग, जूडो और नेटबॉल के पदक मुकाबलों के साथ होगा। एथलेटिक्स, तैराकी, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, 3×3 बास्केटबॉल और पैरा स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

भारतीय समयानुसार पूरा कार्यक्रम

24 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, शाम 7:00-रात 10:30, रात 11:30-2:00 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, शाम 7:00-रात 10:30, रात 11:30-2:00 (26 जुलाई)

26 जुलाई: शाम 4:00-8:15, रात 9:30-1:45 (27 जुलाई)

27 जुलाई: शाम 4:00-8:15, रात 9:30-1:45 (28 जुलाई) छुट्टियांव मौसमी आयोजन

28 जुलाई: रात 10:00-2:00 (29 जुलाई)

29 जुलाई: शाम 4:00-8:00, रात 9:00-2:00 (30 जुलाई)

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स (ग्लास्गो इंटरनेशनल एरीना)

24 जुलाई: दोपहर 2:30-रात 8:30, रात 10:00-1:45 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:30, रात 8:15-1:15 (26 जुलाई)

26 जुलाई: शाम 4:30-7:30, रात 8:30-11:30

27 जुलाई: शाम 5:30-रात 10:00

28 जुलाई: शाम 5:30-रात 10:00

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ईडीएफ स्कॉट्सटाउन स्टेडियम)

27 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, रात 11:00-2:30 (28 जुलाई) छुट्टियांव मौसमी आयोजन

28 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 5:00, रात 11:00-2:30 (29 जुलाई)

29 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 5:30, रात 11:00-2:30 (30 जुलाई)

30 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, रात 11:00-2:30 (31 जुलाई)

31 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:15, रात 11:00-2:45 (1 अगस्त)

1 अगस्त: दोपहर 2:30-शाम 6:15, रात 11:00-3:00 (2 अगस्त)

बाउल्स और पैरा बाउल्स (एसईसी सेंटर हॉल-3)

23 जुलाई: दोपहर 2:00-रात 8:55

24 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:45, शाम 7:30-2:45 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:45, शाम 7:30-2:40 (26 जुलाई)

26 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:15-2:25 (27 जुलाई) 27 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:15-2:25 (28 जुलाई) ।

फीफा ने शुरू की स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल के बाद मैदान पर स्पेन और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के बीच हुई हिंसक झड़प की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय (106वें मिनट) में गोल कर स्पेन को अर्जेंटीना पर 1-0 से जीत दिलाई और स्पेन ने अपना दूसरा पुरुष फीफा विश्व कप खिताब जीता। हालांकि मुकाबले के अंत में अर्जेंटीना खिलाड़ियों के अनुशासनहीन व्यवहार ने मैच की चमक फीकी कर दी। इससे पहले अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज को स्पेन के पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल करने के कारण रेफरी स्लावको विनचिच ने दूसरा पीला कार्ड दिखाकर लाल कार्ड दे दिया था।

मैच समाप्त होने के बाद सामने आए वीडियो में अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और नाहुएल मोलिना को स्पेन के एरिक गार्सिया और रोद्री के साथ हाथापाई करते देखा गया। वहीं अर्जेंटीना के सहायक कोच रोबर्टो आयाला भी कथित तौर पर स्पेन के दानी ओल्मो पर हाथ उठाते नजर आए।

इसके बाद मोलिना ने रोद्री को घेर लिया, जबकि अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने अपने पूर्व मैनचेस्टर सिटी साथी रोद्री के साथ तीखी बहस की। स्थिति को शांत कराने के लिए अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी बीच-बचाव के लिए मैदान में पहुंचे। फीफा ने अब पुष्टि की है कि पूरे मामले की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी गई है और यह देखा जाएगा कि फीफा अनुशासन संहिता के उल्लंघन के मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाए।

फीफा के आधिकारिक बयान में कहा गया, स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फीफा विश्व कप फाइनल की मैच रिपोर्ट का आकलन करने और फीफा अनुशासन संहिता (एफडीसी) के अनुच्छेद 36 के तहत फीफा अनुशासन समिति ने मैच के बाद हुई घटनाओं की जांच के लिए एक अनुशासन एवं नैतिकता अभियोजक नियुक्त किया है, जो संभावित उल्लंघनों की जांच करेगा।

बयान में आगे कहा गया, अभियोजक की रिपोर्ट पूरी होने के बाद फीफा अनुशासन समिति आगे की जानकारी सार्वजनिक करेगी।

गौरतलब है कि अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज विश्व कप फाइनल में लाल कार्ड पाने वाले 2010 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले 2010 विश्व कप फाइनल में नीदरलैंड्स के जॉन हाइटिंगा को दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में स्पेन के खिलाफ खेले गए फाइनल में लाल कार्ड दिखाया गया था।

न्यूजीलैंड के नाथन स्मिथ 'जून 2026' के लिए आईससी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए

एजेंसी

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को 'जून 2026' के लिए आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। उन्होंने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। समयऔर कैलेंडर न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने भारत की टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के खिलाड़ी मोसाद्देक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह अवॉर्ड जीता है।

नाथन स्मिथ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी बयान में कहा कि यह वाकई बहुत खास है। इंग्लैंड का दौरा टीम के लिए बहुत अच्छा रहा और यह बहुत बढ़िया बात है। मैं आम तौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। तेज गेंदबाज ने आगे कहा कि व्यक्तिगत रूप से जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा। न्यूजीलैंड के लिए मैं बस यही करना चाहता हूं, पूरी कोशिश करना और जिस भी तरह से हो सके, योगदान देना। 28 साल के इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 16 विकेट लिए थे। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन पहले टेस्ट में रहा, जहां स्मिथ ने पहली पारी में तीन विकेट लिए और फिर दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल किए। हालांकि उनकी यह कोशिश टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं रही। उन्होंने दूसरे टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया, लेकिन दूसरी पारी में बल्ले से 38 रन का अहम योगदान दिया। सीरीज के निर्णायक मैच में पहली पारी में स्मिथ ने 4 विकेट और दूसरी पारी में दो विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड टीम 2-1 से सीरीज जीतने में कामयाब रही।

विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए लियोनेल मेसी, बोले- यह दर्द बहुत गहरा है

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 की हार के एक दिन बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने भावुक संदेश जारी करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। मेसी ने कहा कि इस हार का दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा, लेकिन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष किया, उस पर उन्हें गर्व है। न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद मेसी भावुक होकर रोते हुए नजर आए और उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हो गईं। इंस्टाग्राम पर स्पेनिश भाषा में लिखे अपने संदेश में मेसी ने कहा,यह दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छे

पलों को भी संजोकर रखूंगा... वे मुकाबले जिन्हें हमने वापसी करते हुए जीता, जिनमें हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। वे पल हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। पूरे देश का समर्थन, और इस टीम की मेहनत व समर्पण ने हमें एक बार फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल किया।

उन्होंने आगे कहा,आप सभी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद, जिन्होंने हमें शुभकामनाएं दीं और संदेश भेजे। एक बार फिर हम पूरे देश को एकजुट करने में सफल रहे और अर्जेंटीना होने के गर्व को साथ मिलकर महसूस किया। मेसी ने अपने संदेश में स्पेन को भी बधाई देते हुए कहा,मैं स्पेन को भी इस चैंपियनशिप के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं।

राष्ट्रीय टीम के लिए मेसी का शानदार योगदान

इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी मेसी ने 2022 विश्व कप फाइनल में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। इसके अलावा उन्होंने 2021 और 2024 में लगातार दो कोपा अमेरिका खिताब भी टीम को जिताए। इस विश्व कप के दौरान मेसी ने अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की संख्या 125 तक पहुंचा दी, जो केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146 गोल) से कम है। विश्व कप 2026 में मेसी ने आठ गोल और चार असिस्ट किए। वह विश्व कप इतिहास में तीन फाइनल मुकाबलों की शुरुआत करने वाले पहले खिलाड़ी भी बने, हालांकि इस बार वह स्पेन के खिलाफ टीम को जीत नहीं दिला सके। उधर, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने भी मेसी की राष्ट्रीय टीम के लिए असाधारण सेवाओं और योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित शब्दों में याद किया।

दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन की टीम घोषित, गायकवाड़ बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी-2026 सीजन के लिए वेस्ट जोन टीम की घोषणा कर दी गई है। बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान, जबकि बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तान बनाया गया है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के मैदानों पर 23 अगस्त से 10 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट में वेस्ट जोन की टीम संतुलित संयोजन के साथ उतरेगी।पिछले सीजन में वेस्ट जोन की कप्तानी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। इस बार चयनकर्ताओं ने नेतृत्व की जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी है। गायकवाड़ घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी भी की है। घोषित 15 सदस्यीय टीम में हार्विक देसाई और उर्विल पटेल को विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है।

बल्लेबाजी की जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, मुशीर खान, शिवालिक शर्मा जैसे खिलाड़ियों पर होगी। स्पिन आक्रमण में उप-कप्तान शम्स मुलानी, तनुष कोटियान और सिद्धार्थ देसाई संभालेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभवी शार्दुल ठाकुर के साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और अतीत सेठ शामिल हैं।चयनकर्ताओं ने छह खिलाड़ियों को स्टैंडबाय सूची में भी रखा है। वेस्ट जोन टीमऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), शम्स मुलानी (उप-कप्तान), हार्विक देसाई (विकेटकीपर), उर्विल पटेल (विकेटकीपर), जयमीत पटेल, पृथ्वी शॉ, शिवालिक शर्मा, सिद्धार्थ देसाई, सरफराज खान, मुशीर खान, अतीत सेठ, शार्दुल ठाकुर, मुकेश चौधरी, तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे। स्टैंडबाय खिलाड़ीआर्या देसाई, जय गोहिल, अर्शिन कुलकर्णी, महेश पिठिया, विशाल जयसवाल और राजवर्धन हंगरगेकर।

दिव्यांग क्रिकेट में जज्जे यादव के दो शतकों से यूपी बनी चैंपियन

एजेंसी

मीरजापुर। चंडीगढ़ में आयोजित तीन राज्यों के दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट में मीरजापुर के खिलाड़ी जज्जे यादव ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से उत्तर प्रदेश को चैंपियन बना दिया। कोन ब्लॉक के तिलठी निवासी जज्जे यादव ने टूर्नामेंट में दो शतक जड़ते हुए न सिर्फ टीम को खिताब दिलाया, बल्कि मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज का सम्मान भी अपने नाम किया। टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश, पंजाब और छत्तीसगढ़ की टीमें शामिल थीं। उद्घाटन मुकाबले में पंजाब के खिलाफ जज्जे यादव ने शानदार शतक लगाकर उत्तर प्रदेश को जीत दिलाई। इसके बाद 19 जुलाई को खेले गए फाइनल में छत्तीसगढ़ के खिलाफ उन्होंने 15 ओवर के मुकाबले में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 105 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने तीन विकेट पर 153 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया और शानदार जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। छुट्टियांव मौसमी आयोजन टूर्नामेंट में मीरजापुर जिले के आठ दिव्यांग खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इनमें जज्जे यादव के अलावा लखनपुर के विजयभान और इंदल सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। समापन समारोह में विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि जज्जे यादव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज और विजेता शील्ड से सम्मानित किया गया।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ी मजबूती मिली है। हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से उबरते समय अकिलिस की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे थे। वहीं लियोन एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी कराने के कारण लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे। दूसरी ओर, पैट कमिंस निचली पीठ की स्ट्रेस इंजरी से वापसी करते हुए केवल एडिलेड टेस्ट में खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के एशेज बरकरार रखने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों में आराम दिया गया था।

कमिंस और हेजलवुड भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे, हालांकि दोनों ने अलग-अलग समय पर आईपीएल में वापसी की थी। लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, राष्ट्रीय चयन समिति पैट, जोश और नाथन की वापसी का स्वागत करती है। पिछले कुछ महीनों में इन तीनों खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम के साथ मिलकर अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है।

नेसर और डॉगेट बाहर

वरिष्ठ गेंदबाजों की वापसी के बाद एशेज में 15 विकेट लेने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि नेसर, डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी मुख्य टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। बेली ने कहा, यह 13 खिलाड़ियों की टीम है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए अन्य खिलाड़ी भी पूरी तरह तैयार हैं। अगले 12 महीनों में लगातार क्रिकेट होने के कारण कई खिलाड़ियों को तीनों प्रारूपों में अवसर मिलेंगे।

बल्लेबाजी क्रम में नहीं हुआ बदलाव- ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। एशेज में पदार्पण करने वाले जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है और वह सलामी बल्लेबाज के रूप में ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। उस्मान ख्वाजा के संन्यास के बाद हेड को ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम में बरकरार रखा गया है। एशेज में उन्होंने 259 रन बनाए थे और उनका औसत 28.78 रहा था। इससे पहले वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्हें अंतिम एकादश से बाहर भी किया गया था। तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस और हेजलवुड के अलावा मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड शामिल हैं। वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। रिजर्व विकेटकीपर जोश इंग्लिस भी मध्यक्रम में स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के तहत दोनों टेस्ट मैच 13-17 अगस्त के बीच डार्विन और 22-26 अगस्त के बीच मैकाय में खेले जाएंगे।यह ऑस्ट्रेलिया के व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम की शुरुआत होगी, जिसमें टीम अगले आठ महीनों में 14 टेस्ट मैच खेलेगी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया भारत का दौरा करेगा और मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इंग्लैंड के खिलाफ एक विशेष टेस्ट मैच भी खेलेगा। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में 87.50 प्रतिशत अंक (पीसीटी) के साथ शीर्ष पर है। टीम ने अब तक आठ मैचों में सात जीत और एक हार दर्ज की है।

मप्र में बिजली कंपनी के इंजीनियर के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा, आय से 258 फीसदी ज्यादा संपत्ति का खुलासा

इंदौर। लोकायुक्त ने मंगलवार सुबह मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री (फाइनेंस) शिवराम सेमिल के नौ ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में सेमिल के पास वैध आय की तुलना में करीब 258 फीसदी अधिक संपत्ति का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोकायुक्त टीम आज सुबह करीब 5.30 बजे सेमिल के इंदौर, पीथमपुर, धार और मुरैना स्थित कुल नौ ठिकानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के नेतृत्व में की गई। शुरुआती जांच में सेमिल के घर से 4 किलो चांदी, 300 ग्राम गोल्ड और 3 लाख कैश मिला है। इसके अलावा बेटे-बहू और दामाद के नाम पर करोड़ों की फैक्टरी, आलीशान बंगले, प्लॉट्स के दस्तावेज बरामद हुए हैं। शिवराम सेमिल इन दिनों इंदौर स्थित पोलोग्राउंड कार्यालय में पदस्थ हैं। लोकायुक्त के अनुसार सेमिल ने अपने 33 वर्ष के सेवाकाल में वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच के दौरान इंदौर की सिलिकॉन सिटी स्थित सी-44 पर करीब एक करोड़ बीस लाख रुपये लागत का तीन मंजिला आलीशान मकान मिला। वहीं पीथमपुर सेक्टर-3 में पुत्र शुभम के नाम से शुभम इलेक्ट्रिकल नामक ट्रांसफॉर्मर निर्माण फैक्टरी मिली, जिसकी अनुमानित लागत एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

मुंबई में मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता जांच : जियो और एयरटेल का बेहतर प्रदर्शन, एमटीएनएल सबसे पीछे

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) की ओर से जून के महने में मुंबई में किए गए मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जबकि सरकारी कंपनी एमटीएनएल का नेटवर्क सबसे कमजोर पाया गया। परीक्षण में कॉल गुणवत्ता, नेटवर्क कवरेज और डेटा स्पीड जैसे विभिन्न मानकों का आकलन किया गया। केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, नेटवर्क कवरेज के मामले में एयरटेल में 102 नमूनों में कवरेज गैप दर्ज किया गया, जबकि जियो में यह संख्या 144 रही। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) में केवल पांच स्थानों पर कवरेज गैप पाया गया, जबकि एमटीएनएल का प्रदर्शन सबसे खराब रहा और उसके नेटवर्क में 17,877 नमूनों में कवरेज गैप रिकॉर्ड किया गया। कॉल ड्रॉप के मामले में जियो ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। परीक्षण के दौरान उसके नेटवर्क पर एक भी कॉल ड्रॉप दर्ज नहीं हुई। एयरटेल और वीआई में एक-एक कॉल ड्रॉप दर्ज किया गया, जबकि एमटीएनएल के नेटवर्क पर 28 कॉल ड्रॉप पाए गए।

'बॉस स्कैम' कंपनी का बॉस बनकर 10 करोड़ की ठगी, देश की बड़ी कंपनी बनी शिकार

नई दिल्ली । अगर आपके बॉस के नाम से अचानक वाट्सएप पर कोई मैसेज आए, जिसमें लिखा हो कि मैं मीटिंग में हूं... तुरंत ये पेमेंट कर दो... तो क्या आप बिना सोचे पैसे ट्रांसफर कर देंगे...? देश की एक बड़ी कंपनी ने यही गलती कर दी... और देखते ही देखते करोड़ों रुपए साइबर ठगों के खातों में पहुंच गए। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अब एक ऐसे इंटरस्टेट गैंग का पर्दाफाश किया है, जिसे पुलिस ने नाम दिया है... 'बॉस स्कैम'। आखिर कैसे चलता है ये पूरा खेल और कैसे महाराष्ट्र से लेकर बिहार और दिल्ली तक पुलिस ने बिछाया जाल और गिरफ्तारी की? दरअसल, देश के कई शहरों में शाखाएं रखने वाली एक बड़ी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के मोबाइल पर वाट्सएप मैसेज आया, प्रोफाइल फोटो कंपनी के डायरेक्टर की थी, इसलिए शक की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। मैसेज में लिखा था, 'मैं मीटिंग में हूं... कुछ जरूरी पेमेंट करनी है... तुरंत पैसे ट्रांसफर कर दो ' इसके बाद शुरू हुआ करोड़ों रुपए अलग-अलग बैंक खातों में भेजने का सिलसिला। जब तक असली डायरेक्टर से बात हुई... तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कंपनी के खाते से 10 करोड़ 40 लाख रुपए से ज्यादा साइबर ठग निकाल चुके थे। यही मॉडस ऑपरेंडी देखकर मुंबई पुलिस ने इस नए साइबर फ्रॉड का नाम रखा... 'बॉस स्कैम। ' मुंबई क्राइम ब्रांच की दक्षिण साइबर पुलिस के लिए ये सिर्फ एक साइबर फ्रॉड नहीं था, बल्कि पूरे देश में फैले एक संगठित नेटवर्क तक पहुंचने की चुनौती थी। तकनीकी और बैंकिंग ट्रेल खंगाले गए... हर ट्रांजेक्शन की परत खोली गई और फिर शुरू हुई तीन राज्यों में एक साथ कार्रवाई।

दिल्ली पुलिस ने 897 करोड़ रुपए मूल्य के 1452 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने 897 करोड़ रुपए मूल्य के 1452 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया है। इसके साथ ही जब्त और नष्ट किए गए मादक पदार्थों की कुल मात्रा 49,663 किलोग्राम तक पहुंच गई है, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 14,799 करोड़ रुपए है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नशा मुक्त' भारत को राष्ट्रीय लक्ष्य घोषित करने और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रतिपादित और दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू द्वारा दृढ़ता से प्रतिपादित 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के बाद शुरू किया गया था। दिल्ली अपराध शाखा के आईपीएस विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने रेखांकित किया कि यह आयोजन केवल जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने के बारे में नहीं था, बल्कि एक ऐसे तंत्र को खत्म करने के बारे में था जो हमारे युवाओं के लिए खतरा है, परिवारों को कमजोर करता है और समग्र रूप से समाज के भविष्य को नुकसान पहुंचाता है। दिल्ली पुलिस राजधानी में मादक पदार्थों और मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के खिलाफ अथक और निरंतर कार्रवाई कर रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेटालिक टेक्नोफोर्ज का आईपीओ, 28 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 23 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 16 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये से लेकर 77 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,46,400 रुपये का निवेश करना होगा।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.30 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.06 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। मेटालिक टेक्नोफोर्ज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 51.50 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 75.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 97.98 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया।

यूपीआई से अब तक 55.5 करोड़ से अधिक यूजर जुड़े, वित्त वर्ष 26 में 24,161 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए: केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 55.49 करोड़ से अधिक यूजर जुड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिए 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि 314.23 लाख करोड़ रुपए रही। यह जानकारी केंद्र सरकार ने संसद में दी। लोकसभा में लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि पिछले पांच वित्त वर्षों में यूपीआई के लेनदेन की संख्या और मूल्य में लगातार तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में 4,595.61 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 84.16 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2022-23 में 8,371.44 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 139.15 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2023-24 में 13,112.95 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 199.95 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2024-25 में 18,586.60 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 260.56 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 314.23 लाख करोड़ रुपए था।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), जिसे अप्रैल 2020 में एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था, विदेशी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर भारत के डिजिटल भुगतान नेटवर्क का वैश्विक विस्तार कर रही है। इसके तहत विभिन्न देशों में यूपीआई और रुपे कार्ड जैसी भुगतान प्रणालियां लागू की जा रही हैं।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी प्रति किलोग्राम 5,200 रुपये की तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,35,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत

1,43,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

उत्तराखंड से 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज की पहली खेप भेजी गई

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के काशीपुर से 24 मीट्रिक टन फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज की पहली खेप इराक भेजी गई है। इसका निर्यात विरून ग्लोबल ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से इराक को 24 मीट्रिक टन (एमटी) फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज के पहले निर्यात में सहायता प्रदान की है। ये खेप उत्तराखंड से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने और देश के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा कि उत्तराखंड जैसे भू-आबद्ध राज्यों से निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता पर लॉजिस्टिक्स लागत का लगातार प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एपीडा निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाने और निर्यातकों के लिए अधिक बाजार पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से

परिवहन सहायता प्रावधानों सहित राज्य कृषि निर्यात नीति के निर्माण और कार्यान्वयन पर उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक एपीडा ने निर्यातक को सियाल, गल्फूड, इंडसफूड और वर्ल्ड फ़ूड इंडिया सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लेने में सहयोग दिया है, जिससे बाजार तक व्यापक पहुंच और खरीदारों के साथ बेहतर जुड़ाव संभव हुआ है। भारत प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति लगातार सुदृढ कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रसंस्कृत सब्जियों का भारत का निर्यात 932.25 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें 7,26,874.70 मीट्रिक टन उत्पाद शामिल थे। इसमें मूल्यवर्धित आलू उत्पादों का निर्यात 277,108.51मीट्रिक टन था, जिसका मूल्य 289.40 मिलियन यूएस डॉलर था।

स्टॉक मार्केट में एसबीआई फंड्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 574 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 610 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 613.30 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 624.90 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 610 रुपये के स्तर तक भी आया। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर 617.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 43.80 रुपये यानी 7.63 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

इस कंपनी का 9,812.91 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 140.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.65 गुना और शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर नहीं जारी हुआ हैं बल्कि ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले 17,09,56,631 शेयरों की बिक्री हुई है। इसमें से 12,83,34,397 शेयर एसबीआई ने और 7,53,74,842 शेयर एमुंडी इंडिया होल्डिंग ने बेचे हैं। चूंकि ये इश्यू पीरी तरह से ऑफर फॉर सेल का था, इसलिए इस आईपीओ के जरिये आया पैसा एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट को नहीं मिला, बल्कि शेयर बेचने वाले प्रमोटर्स एसबीआई और एमुंडी इंडिया को मिला। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2,072.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,540.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 3,067.38 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 3,426.08 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4,236.15 करोड़ रुपये और पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 4,976.11 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 182.02 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 255.12 करोड़ रुपये हो गया।

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ समयऔर कैलेंडर

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोहिया कॉर्प लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी अनुपम अग्रवाल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राज कुमार लोहिया और होल-टाइम डायरेक्टर गौरव लोहिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। फैब्रिक की डाइंग और प्रोसेसिंग के काम में लगी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 105 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही गिर कर 99.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.25 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया।कंपनी का 126.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस

आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.40 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 1.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था।इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,20,24,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में नयी वीविंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 8.63 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 21.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 237.66 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 350.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी बढ़ गया। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 166.09 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 177.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इंडियन ओवरसीज बैंक को पहली तिमाही में 1,659 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ यानी मुनाफा 49.3 फीसदी बढ़कर 1,659 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मुख्य रूप से संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार से बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में बैंक को 1,111 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 10,938 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की

समान अवधि में 8,866.47 करोड़ रुपये थी। बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) घटकर 1.33 फीसदी रह गईं, जो पिछले वित्त वर्ष में 1.97 फीसदी थी। इसी तरह, शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.18 फीसदी हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 0.32 फीसदी था।

देश के नौ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में 5.0 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के उत्पादन की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच माह के उच्चतम स्तर 5 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले महीने मई में यह दर 3.2 फीसदी रही थी। पिछले साल जून में बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि 1.1 फीसदी थी।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही है। देश के नौ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) के आंकड़े 2011-12 के स्थान पर 2022-23 को आधार वर्ष मानकर जारी किए गए हैं। सरकार ने सूचकांक में लौह अयस्क को शामिल किया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या अब बढ़कर नौ हो गई है। आंकड़ों के अनुसार जून महीने में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। सीमेंट और बिजली के उत्पादन में 9.8-9.8 फीसदी तथा नई श्रृंखला के तहत सूचकांक में शामिल किए गए लौह अयस्क के उत्पादन में 43.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक नए वर्गीकरण में लौह अयस्क को पहली बार शामिल किया गया है, जिससे बुनियादी उद्योगों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है। आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में इन प्रमुख क्षेत्रों का उत्पादन 3.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह वृद्धि एक फीसदी रही थी।

मिलवर्क्स टेक के शेयरों ने निवेशकों को किया मालामाल, पहले दिन ही लगभग दोगुना हुआ पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरोस्पेस, डिफेंस, रेलवे और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए हाई-एक्यूरेसी वाले मशीनी पार्ट्स और सब असेंबली बनाने वाली प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जबरदस्त मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों के पैसे को लगभग दोगुना कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 331 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 628.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 660.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 329.30 रुपये यानी 99.49 प्रतिशत का फायदा हो गया।

मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज का 160.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 219.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 194.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 260.37 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 216.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 48.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 37.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 9.40 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 22.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी को 153.40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 4.57 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 17.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी रॉकेट के रफ्तार से बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेटवर्थ 2.33 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 51.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी जबरदस्त बढ़त हासिल करने में सफल रही। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 2.28 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.25 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 69.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

ट्रंप प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की पहल

एजेंसी

वाशिंगटन । पाकिस्तान में जन्मे एक आदमी पर अमेरिकी इमिग्रेशन का लाभ पाने के लिए कई पहचान इस्तेमाल करने का आरोप है। वह उन 10 नागरिकता वाले नागरिकों में से एक है जिन्हें नागरिकता रद्द करने का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप सरकार इसे अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा नागरिकता रद्द करने की कोशिश करार दे रही है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और न्याय विभाग (डीओजे) ने पिछले 30 दिनों में कई ऐसे मामलों में नागरिकता रद्द करने (डीनेचुरलाइजेशन) की कार्रवाई शुरू की है, जिनमें आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण, स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी, आव्रजन धोखाधड़ी और कोकीन तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं। ट्रंप सरकार का कहना है कि इन मामलों में उन लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर, गलत जानकारी देकर या अवैध तरीके से अमेरिकी नागरिकता हासिल की। सरकार ने जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें 65 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक मुर्तजा अली भी शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, उन्होंने स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) और बाद में 2009 में अमेरिकी नागरिकता हासिल करने से पहले अलग-अलग नामों से कई आव्रजन आवेदन दाखिल किए थे।

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

वाशिंगटन। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों को भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियों और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।' ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है।

ईरान का दावा,'जॉर्डन-कुवैत में अमेरिकी सैन्य परिसरों को बनाया निशाना'

तेहरान । ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसकी सेनाओं ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों और केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार माध्यम सेपाह न्यूज पर जारी बयानों में कहा कि उसकी सेनाओं ने जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा स्थित एक हवाई अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। संगठन के अनुसार, इस हमले में अमेरिकी बोइंग सी-17 ग्लोबमास्टर ढुलाई और बोइंग पी-8 पोसीडॉन विमानों को निशाना बनाया गया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा। आईआरजीसी ने यह भी दावा किया कि उसकी सेनाओं ने ड्रोन हमले के जरिए कुवैत में एक अमेरिकी प्रारंभिक चेतावनी रडार प्रणाली को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर उपकरणों और विमान के पुर्जों वाले एक गोदाम के साथ ही एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के हैंगर को निशाना बनाया गया, जिसमें कई मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) में आग लग गई। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि ये हमले ईरानी क्षेत्र के खिलाफ अमेरिका की लगातार 'आक्रामक कार्रवाइयों' के जवाब में किए गए हैं।

नॉर्वे में 100 साल की सबसे भीषण आग: सैकड़ों घर खाक, 400 लोग बेघर

ओस्लो । नॉर्वे के ड्रामेन शहर के पास एक कस्बे में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने इसे '100 वर्षों में लगी सबसे बड़ी आग' बताया है। भी आग पूरी तरह बुझ नहीं पाई थी और धुआं उठ रहा था। क्रोकस्टाडेल्वा इलाके में सप्ताहांत के दौरान करीब 100 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस आग में स्थानीय फायर चीफ टोरगेर एंडरसन का घर भी जलकर खाक हो गया। रविवार को स्थानीय अखबार ड्रामेंस टिडेंडे से बातचीत में पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह या तो कोई दुर्घटना हो सकती है या फिर किसी स्थान पर अपने आप आग लगना (स्पॉन्टेनियस कम्बशन) हो सकता है। पुलिस के अनुसार, आग शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे क्रोकस्टाडेल्वा के एक रो-हाउस परिसर में शुरू हुई थी। पुलिस को इसकी पहली सूचना दोपहर 3:39 बजे मिली।

गुयाना नाव हादसे में अब तक 27 शव बरामद

83 लोग लापता, 69 को किया गया रेस्क्यू

एजेंसी

जॉर्ज टाउन । गुयाना में नाव पलटने की एक भयावह घटना सामने आई है, जिसमें करीब 27 लोगों की मौत हो गई है। गुयाना सरकार की ओर से सोमवार (स्थानीय समय) को दी गई जानकारी के अनुसार, हफ्ते के अंत में तट के पास पलटी हुई एक नाव से 27 शव बरामद किए गए हैं। घटना के दौरान नाव पर 179 लोग सवार थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय समयानुसार शनिवार देर रात नाव पलटने के बाद दर्जनों लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा कि गलत पैसेंजर लिस्ट और क्रू के ड्रग्स लेने की वजह से यह स्थिति हुई होगी। गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स ने कहा कि कम से कम 69 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन 83 अभी नहीं मिले हैं। गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडगिल ने रविवार देर रात एक प्रेस

कॉन्फ्रेंस में कहा कि कैप्टन और क्रू के दूसरे सदस्य अब पुलिस कस्टडी में हैं। एडगिल ने कहा, 'सर्च और रेस्क्यू अभी जारी है। जो परिवार अपने प्रियजनों के लिए हमारे पास आए हैं, हम उन्हें ढूंढने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं।' अधिकारियों ने बताया कि एमवी बारिमा राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतुमा गांव जाते समय नॉर्थ अटलांटिक तट से लगभग सात मील दूर पलट गई। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि नाव में 133 लोग थे, लेकिन बोर्डिंग प्रक्रिया की फुटेज देखने के बाद उन्होंने पता लगाया कि उसमें 179 लोग थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को शनिवार रात करीब 11 बजे घटना को लेकर एक फोन आया, जिसके बाद सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। एडगिल ने बताया कि अंधेरा होने और ऐसे जहाजों की कमी, जिनमें स्कैनर लगे हों और जो पानी में बचे लोगों की तलाश कर सकें, के कारण शुरुआती राहत एवं बचाव अभियान प्रभावित हुआ। इस वजह से बचाव दल को जीवित लोगों की खोज के लिए केवल आंखों और आवाज के सहारे काम करना पड़ा। उन्होंने कहा कि बाद में तेल और गैस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों ने स्कैनर से लैस जहाज उपलब्ध कराए। इसके साथ ही सरकार ने फेरी के भीतर शवों की तलाश के लिए गोताखोरों को भी तैनात किया। अधिकारियों ने खोज अभियान का दायरा भी 400 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 1,040 वर्ग किलोमीटर (401 वर्ग मील) कर दिया है। एडगिल ने रविवार दोपहर शुरुआत में कहा था कि फेरी संचालक की ओर से लापरवाही के कोई संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि रविवार शाम उन्होंने जानकारी दी कि फेरी के कप्तान और चालक दल के कम से कम एक अन्य सदस्य की जांच में गांजा के सेवन की पुष्टि हुई है।

ट्रंप ने अंतरिक्ष में अमेरिका की उपलब्धियों की तारीफ की, चांद और मंगल की ओर बढ़ने का संकल्प लिया

एजेंसी

वॉशिंगटन । 'स्पेस एक्सप्लोरेशन डे' (अंतरिक्ष अन्वेषण दिवस) के मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरिक्ष अन्वेषण में अमेरिका की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश मानवता को 'अंतरिक्ष खोज के नए स्वर्णिम युग' की ओर ले जाना जारी रखेगा और साथ ही चंद्रमा और आगे चलकर मंगल ग्रह के लिए मिशन को भी आगे बढ़ाएगा। व्हाइट हाउस की ओर से अपोलो 11 के चांद पर उतरने की 57वीं सालगिरह पर जारी एक संदेश में ट्रंप ने अमेरिका के ऐतिहासिक मून मिशन को अपने प्रशासन के स्पेस एजेंडा से जोड़ा। उन्होंने आर्टेमिस प्रोग्राम, यूएस स्पेस फोर्स और स्पेस में अमेरिकी लीडरशिप सुनिश्चित करने की अपनी दीर्घकालीन रणनीति का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा, 'स्पेस एक्सप्लोरेशन डे पर हम अपने देश के इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक को याद कर रहे हैं, अमेरिकियों का चांद की सतह पर उतरना।' उस बड़ी कामयाबी से प्रेरित होकर, हम पूरे हौसले के साथ आगे देख रहे हैं और हमें यकीन है कि अमेरिका इंसानों को स्पेस एक्सप्लोरेशन के नए सुनहरे दौर में आगे ले जाता रहेगा।' 20 जुलाई, 1969 के अपोलो 11 मिशन को याद करते हुए ट्रंप ने एस्ट्रोनॉट नील आर्मस्ट्रांग, बज एल्ड्रिन और माइकल कॉलिन्स को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनकी कामयाबी ने यह साबित कर दिया कि 'आजाद और पक्के इरादे वाले लोगों की पहुंच से बाहर कोई भी मंजिल नहीं है।' उन्होंने कहा, '57 साल बाद भी अपोलो की विरासत सभी अमेरिकियों के दिलों में बसी हुई है और हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी से आगे बढ़कर अंतरिक्ष में और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित कर रही है।' राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन आर्टेमिस प्रोग्राम के ज़रिए उस विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

भारतवंशी कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन के एआई मंत्री

एजेंसी

लंदन । भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद कनिष्क नारायण को ब्रिटेन सरकार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें कैबिनेट ऑफिस और डिपार्टमेंट फॉर बिजनेस, इनोवेशन, साइंस एंड ट्रेड में संयुक्त रूप से राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वह अब ब्रिटिश कैबिनेट की बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के एक्स अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी गई। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने बिहार नारायण को कैबिनेट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह नियुक्ति सरकार की एआई नीति और इस तकनीक के महत्व को लेकर उसकी प्राथमिकताओं को दर्शाती है। नियुक्ति के बाद कनिष्क नारायण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि एआई मानव इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक हो सकती है और इसका प्रभाव अन्य सभी तकनीकी बदलावों से कहीं अधिक व्यापक होगा। उन्होंने कहा, 'एआई का सकारात्मक प्रभाव बेहद व्यापक हो सकता है, जिसमें ब्रिटेन का पुनः औद्योगिकीकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती और सार्वजनिक सेवाओं में बड़ा बदलाव शामिल है। हालांकि, उन्होंने एआई से जुड़े जोखिमों को भी स्वीकार किया। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि एआई का विकास हो रहा है। देशों के पास एक सीमित समय है यह तय करने के लिए कि वे एआई को आकार देंगे या फिर एआई उन्हें आकार देगा। ब्रिटेन इस समय इसी निर्णायक दौर में है।'

नारायण ने कहा कि वह अपनी नई जिम्मेदारी में तेजी, महत्वाकांक्षा

नारायण ने कहा कि नौकरियों, बदलाव की गति और समाज पर इसके प्रभाव को लेकर ब्रिटिश जनता की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

उन्होंने कहा, 'सबसे और स्पष्ट लक्ष्य के साथ काम करेंगे तथा एआई के विकास और वैश्विक नीति निर्माण में ब्रिटेन की भूमिका को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में 100 अमेरिकी सैनिक घायल: पेंटागन प्रवक्ता

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने ईरान के जवाबी हमलों में अपने 100 सैनिकों के घायल होने की बात स्वीकार की है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर कहा, 'ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96 फीसदी सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं।' उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कंकशन) लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को शेयर करते हुए दिया, जिसमें दावा किया गया था कि 'रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। 'इसके साथ ही पार्नेल ने दावा किया कि घायलों से संबंधित आगे की जानकारी डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम (डीसीएएस) पर जारी की जाएगी। इस बीच, अमेरिकी सेना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। हाल के दिनों में तीन सैनिकों की मौत हुई है। पेंटागन के अनुसार, शुक्रवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए एक ईरानी हमले में दो सैनिक मारे गए। उनकी पहचान सार्वजनिक की गई। फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहान की शुक्रवार को कार्रवाई के दौरान मौत हुई, जबकि प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शनिवार को मुवाफ्फाक सल्ती एयर बेस पर ईरानी हमले में मारी गईं।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि शनिवार को उत्तरी इराक में एक अन्य अमेरिकी सैनिक की मौत उस समय हुई, जब गिराए गए ईरानी एकतरफा हमलावर ड्रोन (वन-वे अटैक ड्रोन) के बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय किया जा रहा था। अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ अपने हमले जारी रखे हैं। स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे (ईडीटी) अमेरिका ने ईरान पर एक और हवाई हमला किया। यह लगातार 10वां दिन था, जब अमेरिकी सेना ने सैन्य कार्रवाई की।

पेंटागन के डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम के अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 28 फरवरी को शुरू हुए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के बाद से अब तक 427 अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में न्यूजनेशन को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मारे गए सैनिकों ने 'देश की सेवा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया '। उन्होंने यह भी दोहराया कि इस सैन्य अभियान का मुख्य उद्देश्य 'ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देना' है।

ट्रंप प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की पहल

एजेंसी

वाशिंगटन । पाकिस्तान में जन्मे एक आदमी पर अमेरिकी इमिग्रेशन का लाभ पाने के लिए कई पहचान इस्तेमाल करने का आरोप है। वह उन 10 नागरिकता वाले नागरिकों में से एक है जिन्हें नागरिकता रद्द करने का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप सरकार इसे अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा नागरिकता रद्द करने की कोशिश करार दे रही है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और न्याय विभाग (डीओजे) ने पिछले 30 दिनों में कई ऐसे मामलों में नागरिकता रद्द करने (डीनेचुरलाइजेशन) की कार्रवाई शुरू की है, जिनमें आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण, स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी, आव्रजन धोखाधड़ी और कोकीन तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं। ट्रंप सरकार का कहना है कि इन मामलों में उन लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर, गलत जानकारी देकर या अवैध तरीके से अमेरिकी नागरिकता हासिल की। सरकार ने जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें 65 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक मुर्तजा अली भी शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, उन्होंने स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) और बाद में 2009 में अमेरिकी नागरिकता हासिल करने से पहले अलग-अलग नामों से कई आव्रजन आवेदन दाखिल किए थे। नागरिकता उन्होंने 'मोहम्मद इकबाल' नाम से प्राप्त की थी।

संघीय अधिकारियों के मुताबिक, बाद में फिंगरप्रिंट जांच से पता चला कि विभिन्न पहचान के साथ दाखिल किए गए सभी आव्रजन आवेदन एक ही व्यक्ति ने किए थे।

सरकार ने बताया कि 2014 में मुर्तजा अली ने अमेरिकी सरकारी एजेंसी को झूठी और भ्रामक जानकारी देने का दोष स्वीकार किया था। उन्होंने माना था कि उन्होंने तीन अलग-अलग पहचान का इस्तेमाल कर तीन अलग-अलग आव्रजन लाभ संबंधी आवेदन दाखिल किए थे। अमेरिका ने टेक्सास के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट में 14 जुलाई को चार-काउंट नागरिकत रद्द करने से संबंधित कार्रवाई की, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसने इमिग्रेशन फ्रॉड, अपने नैतिक चरित्र पर बुरा असर डालने वाले गैर-कानूनी कामों, नागरिकता प्राप्त करने (नेचुरलाइजेशन) की प्रक्रिया के दौरान झूठी गवाही और जरूरी बातें छिपाकर नागरिकता हासिल की।

कार्रवाई की घोषणा करते हुए, डीएचएस सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा, 'जब आप नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया के दौरान धांधली करते हैं, तो आप अपनी अमेरिकी नागरिकता रखने का अधिकार खो देते हैं। इन क्रिमिनल एलियंस ने वह अधिकार खो दिया और हमारे इमिग्रेशन सिस्टम का फायदा उठाया और असली अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाया। इनमें ड्रग ट्रैफिकर, पीडोफाइल और धोखेबाज शामिल हैं। डीएचएस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हम अपने पास मौजूद हर टूल का इस्तेमाल करके इन धोखेबाजों को डीनैचुरलाइज करें और हटा दें।'

कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा, 'इन दस क्रिमिनल एलियंस, जिनमें बच्चों का यौन शोषण करने वाले, लगभग 900,000 डॉलर का मेडिकेयर फ्रॉड करने वाला और एक कोकीन तस्कर शामिल हैं, ने झूठ बोलकर अमेरिका की नागरिकता हासिल की।

अमेरिका और कनाडा के बीच फिर बढ़ा तनाव, ट्रंप ने 50 फीसदी टैरिफ लागू करने का किया ऐलान

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के सैकड़ों उत्पादों पर 50 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, मादक पेय और दुग्ध उत्पाद के अमेरिकी निर्यात के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। ट्रंप के इस फैसले की वजह से उत्तरी अमेरिका में दोनों पड़ोसियों के बीच व्यापारिक तनाव और बढ़ गए हैं। 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन अलग-अलग घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए, जिनके तहत चयनित कनाडाई आयात पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला किया गया। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कनाडा द्वारा अमेरिकी व्यापार के साथ किए जा रहे कथित भेदभाव से अमेरिकी कारोबार पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई करना और विशेष रूप से कारों, शराब और डेयरी उत्पादों के निर्यात के लिए अमेरिकी कंपनियों को समान प्रतिस्पर्धा वाले अवसर उपलब्ध कराना है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, ये नए टैरिफ हस्ताक्षर के 30 दिन बाद लागू होंगे और अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत मिलने वाली किसी भी रियायती व्यवस्था से अलग होकर लागू किए जाएंगे। हालांकि, ऊर्जा, पोटाश, सेक्शन 232 के तहत पहले से शुल्क वाले उत्पाद, मछली, महत्वपूर्ण खनिज और कुछ अन्य निर्दिष्ट वस्तुओं को इन नए शुल्कों से बाहर रखा गया है।प्रशासन ने बताया कि यह शुल्क कनाडा से आने वाले कई प्रकार के उत्पादों पर लागू होगा। इनमें वाइन, हॉकी स्टिक और सीमेंट से लेकर विभिन्न उपभोक्ता वस्तुएं शामिल हैं। इसके साथ जारी परिशिष्टों में सैकड़ों टैरिफ कैटेगरी को सूचीबद्ध किया गया है, जिन पर अतिरिक्त 50 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। व्हाइट हाउस का आरोप है कि कनाडा लंबे समय से ऐसी व्यापारिक नीतियां अपनाता रहा है, जो अमेरिकी निर्यातकों के साथ भेदभाव करती हैं।

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री ने रूसी समकक्ष के साथ 'रणनीतिक संवाद' किया, पुतिन से भी की मुलाकात

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन-हुई ने मास्को में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच सहयोग को तेज करने पर सहमति जताई। यह जानकारी मंगलवार को उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने दी। योनहाप न्यूज एजेंसी ने केसीएनए की ओर से जारी किए गए संयुक्त बयान के हवाले से बताया, दोनों विदेश मंत्रियों के बीच 'तीसरा रणनीतिक संवाद' आयोजित किया गया। बयान में कहा गया कि वार्ता का मुख्य केंद्र दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि के क्रियान्वयन, उच्च-स्तरीय यात्राओं, बहुआयामी सहयोग की योजनाओं और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर कूटनीतिक समन्वय रहा। दोनों पक्षों ने चर्चा में उठाए गए सभी मुद्दों पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने बदलते वैश्विक हालात की परवाह किए बिना, शीर्ष

नेतृत्व के रणनीतिक मार्गदर्शन में द्विपक्षीय संबंधों के दीर्घकालिक और बहुआयामी विकास को तेज करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उत्तर कोरिया और रूस के संबंध जून 2024 में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद लगातार मजबूत हुए हैं।

संयुक्त बयान में इस बैठक को दोनों देशों के संबंधों के व्यापक विस्तार और विकास को गति देने तथा रणनीतिक साझेदारी संधि की भावना के अनुरूप क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा में सकारात्मक योगदान देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बताया गया।

रूस ने उत्तर कोरिया की संप्रभुता की रक्षा के प्रयासों के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और कथित 'शत्रुतापूर्ण' खतरों का सामना करने में उसके साथ खड़े रहने की बात कही।

वहीं, उत्तर कोरिया ने रूस की उन सभी आंतरिक और बाहरी नीतियों के प्रति अपना अटल समर्थन दोहराया, जिनका उद्देश्य उसके अनुसार यूक्रेन विवाद के मूल कारणों को समाप्त करना और साम्राज्यवादी वर्चस्ववादी प्रयासों से अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा करना है। केसीएनए की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, चोए सोन-हुई शुक्रवार को लावरोव के निमंत्रण पर मास्को पहुंची थीं और रविवार को क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की। रिपोर्ट में कहा गया कि इस मुलाकात में दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि की भावना के अनुरूप गठबंधन संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा दोहराई। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय आदान-प्रदान और सहयोग के विस्तार पर भी सार्थक चर्चा की।

मध्य पूर्व तनावः अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के विदेश मंत्रालय (यूएस स्टेट डिपार्टमेंट) ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जारी संघर्ष के बीच दुनियाभर में रह रहे अमेरिकी नागरिकों के लिए 'वैश्विक सुरक्षा चेतावनी' जारी की है। मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों से अधिक सतर्कता बरतने और अपनी यात्रा योजनाओं पर पुनर्विचार करने की अपील की है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति बेहद जटिल बनी हुई है और किसी भी समय अप्रत्याशित रूप से तनाव बढ़ सकता है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया, 'मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति बेहद जटिल बनी हुई है और किसी भी समय अप्रत्याशित रूप से हालात बिगड़ सकते हैं। ऐसे में विदेशों में रह रहे या यात्रा कर रहे अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।'

आगे कहा गया, 'मौजूदा हालात के कारण उड़ानों के रद्द होने, समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद किए जाने और यात्रा में अन्य प्रकार की बाधाओं की संभावना बनी हुई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यात्रियों को अपनी यात्रा योजनाओं में संभावित बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए।'

सुरक्षा सलाह में चेतावनी दी गई है कि अमेरिकी राजनयिक प्रतिष्ठान केवल मध्य पूर्व ही नहीं बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी पहले निशाना बनाए जा चुके हैं। मंत्रालय ने आशंका जताई कि ईरान और ईरान समर्थक समूह विदेशों में अमेरिका के अन्य हितों, अमेरिकी प्रतिष्ठानों या अमेरिकी नागरिकों से जुड़े स्थानों को भी निशाना बना सकते हैं। चेतावनी के साथ ही नागरिकों से स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

यात्रा की योजना बनाने वाले लोगों से यह भी कहा गया कि वे अपने गंतव्य देश के लिए जारी 'ट्रैवल एडवाइजरी', विस्तृत सुरक्षा जानकारी और हालिया अलर्ट का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें तथा परिस्थितियों के अनुसार ही यात्रा का निर्णय लें। अमेरिकी प्रशासन ने दोहराया है कि बदलते सुरक्षा माहौल को देखते हुए नागरिकों को हर समय सतर्क रहना और आधिकारिक निर्देशों का पालन करना चाहिए।

अमेरिका के स्टूडेंट वीजा नियम में बदलाव, डिग्री में आ सकती है रुकावट

एजेंसी

वाशिंगटन । एक इंडियन डायस्पोरा पॉलिसी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि एफ-1 और जे-1 वीजा पर चार साल की नई लिमिट से अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री या रिसर्च के बीच में ही अमेरिका से बाहर जाना पड़ सकता है। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है। एफआईआईडीएस के अनुसार, यह नियम 16-17 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया और सितंबर के मध्य से लागू होने वाला है। संगठन का कहना है कि इस नियम के तहत वर्षों से लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' नीति को समाप्त कर दिया गया है और विदेशी छात्रों के लिए अधिकतम चार वर्ष तक रहने की सीमा तय कर दी गई है। इसके साथ ही ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) और एसटीईएम ओपीटी (एसटीईएम ओपीटी) की अवधि को भी इसी चार साल की सीमा में शामिल किया जाएगा। एफआईआईडीएस ने बताया कि नए नियम के तहत पढ़ाई पूरी होने के बाद मिलने वाली 60 दिनों की ग्रेस पीरियड को घटाकर 30 दिन कर दिया गया है।

अमेरिकी सांसद की मांग, 'रद्द हो चीनी छात्रों का एफ-1 और जे-1 वीजा'

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका की रिपब्लिकन सांसद एना पॉलिना लूना ने चीनी छात्रों के वीजा को तत्काल निलंबित या रद्द करने की मांग उठाई है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को पत्र लिखकर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे चीनी नागरिकों के सभी एफ-1 और जे-1 छात्र वीजा तत्काल निलंबित और रद्द करने की मांग की है। उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक किए गए खुफिया दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि इनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के प्रयासों का उल्लेख है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका के चुनावों को प्रभावित करने के लिए व्यापक अभियान चलाने का आरोप लगाया था। ट्रंप का दावा है कि बीजिंग ने उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को कमजोर करने, लाखों अमेरिकी मतदाताओं का डेटा हासिल करने और अपनी गतिविधियों को अमेरिकी खुफिया तंत्र के भीतर छिपाने की कोशिश की।

विदेश मंत्री को संबोधित अपने पत्र में लूना ने लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में राष्ट्र के नाम संबोधन में ऐसे दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं, जिनके अनुसार वर्ष 2020 के चुनावों से पहले चीनी सरकार ने अमेरिकी चुनावी आंकड़ों को निशाना बनाते हुए इतिहास के सबसे बड़े साइबर जासूसी अभियानों में से एक को अंजाम दिया।

पत्र के अनुसार, इन कथित साइबर हमलों में मतदाताओं के नाम, पते, फोन नंबर, राजनीतिक संबद्धता और पंजीकरण संबंधी अन्य जानकारी चुराई गई। लूना ने कहा कि ये खुलासे बेहद गंभीर हैं और विदेश मंत्रालय सहित सभी संबंधित एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विश्वविद्यालय लंबे

समय से विदेशी खुफिया एजेंसियों के लिए संवेदनशील प्रवेश बिंदु रहे हैं। उनका तर्क है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में जिन स्तर के हस्तक्षेप का उल्लेख किया गया है, उसे देखते हुए अमेरिका अब मौजूदा छात्र वीजा व्यवस्था को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के संभावित प्रभाव अभियान का माध्यम बनने की अनुमति नहीं दे सकता।

लूना ने पत्र में लिखा, 'मैंने राष्ट्रपति के संबोधन के बाद भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि हर एक चीनी छात्र वीजा तत्काल रद्द किया जाना चाहिए। यह अमेरिकी चुनावों की अखंडता को कमजोर करने के लिए प्रायोजित प्रयासों के जवाब में आवश्यक और उचित कदम है।'

उन्होंने विदेश मंत्रालय से सभी सक्रिय चीनी छात्र वीजा की तत्काल समीक्षा कर उन्हें रद्द करने तथा चीनी नागरिकों को नए छात्र वीजा जारी करने की प्रक्रिया रोकने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में लागू जांच और सत्यापन प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा करने का आग्रह किया। पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम अपने टेलीविजन संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी सुरक्षा से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को तत्काल सार्वजनिक (डिक्लासिफाई) करने की घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि इन दस्तावेजों से अमेरिका की चुनावी प्रणाली में 'चौंकाने वाली कमजोरियों' का खुलासा हुआ है और इनमें वर्षों से अमेरिकी राजनीति को प्रभावित करने के चीन के कथित प्रयासों का विवरण मौजूद है। ट्रंप ने कहा, 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने चुनावी आंकड़ों से अब तक की सबसे बड़ी सेंधमारी को अंजाम दिया, जिसके परिणामस्वरूप चीन ने अवैध रूप से अमेरिका के 22 करोड़ (220 मिलियन) मतदाताओं की फाइलें हासिल कर लीं।'

नए भारत' के 'नए यूपी' में नहीं होगा किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक व मेला: मुख्यमंत्री

*मुख्यमंत्री ने बहराइच के महसी व नानपारा विधानसभा क्षेत्रों की 352 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 70 परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

बहराइच, 21 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा व कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और महाराजा सुहेलदेव को कभी सम्मान नहीं दिया, बल्कि भारत को रौंदने, बहराइच व मां पाटेश्वरी धाम को लूटने आए आए विदेशी आक्रांता सालार मसूद के नाम पर गाजी मियां का मेला लगाना शुरू कर दिया था। हमारी सरकार ने स्पष्ट किया कि 'नए भारत' के 'नए यूपी' में किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक और उसके नाम पर मेला स्वीकार नहीं होगा। बहराइचवासियों ने गाजी के नाम पर होने वाले आयोजन को रोक दिया। सरकार व्यवस्था करेगी कि आगे भी गाजी के नाम पर नहीं, बल्कि महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य मेले व आयोजन हों।

मुख्यमंत्री मंगलवार को महसी व नानपारा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 352 करोड़ रुपये से अधिक की 70 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहराइच एस्पिरेशनल से अब इंस्परेशनल डिस्ट्रिक्ट बन रहा है। कभी सबसे पीछे रहने वाला बहराइच देश में अब अग्रणी भूमिका निभाता है। सीएम ने नीति आयोग के नए डेटा का उल्लेख करते हुए कहा कि एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट की रैंकिंग में बहराइच की नई पहचान स्थापित हुई है। यह बुनियादी ढांचे में पहले, कृषि में दूसरे व शिक्षा में चौथे स्थान पर है। बहराइच की इस उपलब्धि के लिए नीति आयोग ने अलग से जनपद को 21 करोड़ रुपये दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा व कांग्रेस को कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने और गाजी मियां का मेला लगाने से फुर्सत नहीं मिलती थी। महाराज सुहेलदेव ने गाजी मियां को ऐसी मौत दी थी, जिसे इस्लाम में सबसे खराब माना जाता है। एनडीए सरकार ने चित्तौरा में महाराजा सुहलदेव का भव्य स्मारक बनाया। जो कार्य 1947-48 में होना चाहिए था, वह कार्य मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने और यूपी में डबल इंजन सरकार आने के बाद हो पाया।

मुख्यमंत्री ने बहराइचवासियों को विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि यहां महाराज सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज, ऋषि बालार्क के नाम पर अस्पताल है। लखनऊ से बहराइच फोरलेन निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 102 किमी. लंबे बाराबंकी-बहराइच एक्सेस कंट्रोल्ड फोरलेन कॉरिडोर निर्माण के लिए 7000 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। 115 करोड़ रुपये से घाघरा (सरयू) पर बाढ़ बचाव की 22 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। रुपईडीहा (नेपाल) सीमा पर इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक कॉरिडोर विकसित करने की योजना तैयार है। बहराइच से खलीलाबाद रेल लाइन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण कार्य चल रहा है। गोरखपुर से शामली तक बनने वाला इकॉनमिक कॉरिडोर बहराइच से होकर ही जाएगा। इस इंफ्रास्ट्रक्चर से बहराइच उद्योग व निवेश के नए केंद्र के रूप में विकसित होगा, जिससे नौजवानों को रोजगार/नौकरी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बहराइच में भी विकसित भारत की उज्ज्वल तस्वीर दिखती है। यहां कतर्नियाघाट की अनुपम प्राकृतिक धरोहर है। किसानों ने प्राकृतिक खेती के लिए जिन जनपदों में सर्वाधिक कार्य किया है, उसमें बहराइच भी है। डबल इंजन सरकार ने जो कार्य किया है, वह विधायक-सांसद आदि की दिनरात मेहनत के कारण संभव हो पाया है, क्योंकि ये लोग दिल्ली/लखनऊ में मजबूत पैरवी करते हैं। 12 कस्तूरबा विद्यालयों को अपग्रेड कर 12वीं तक किया गया है। 32 राजकीय नवीन हाईस्कूल व राजकीय इंटर कॉलेज, दो राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के निर्माण व उन्नयन कार्य, 2 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण की परियोजना चल रही है। साथ ही भरथापुर में दलित, वंचित व पिछड़ी जाति के 500 विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए नई कॉलोनी बन रही है।

लंबी छलांग लगाने की तैयारी में बहराइच मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग के सर्वे बताते हैं कि बहराइच अब लंबी छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है। जो क्षेत्र कभी भारत की सत्ता के संचालन का केंद्र हुआ करता था, वह पिछड़ा और बीमारू कैसे हो सकता था। दरअसल बीमारू मानसिकता के कारण तत्कालीन सरकारों ने बहराइच को पीछे धकेल दिया था, लेकिन डबल इंजन सरकार के कारण हर क्षेत्र में परिवर्तन आया। अब यूपी में उपद्रव नहीं, उत्सव है। अन्य प्रदेश के लोग अब यूपीवालों को शंका की दृष्टि से नहीं देखते, बल्कि गले लगाते हैं। काशी, अयोध्या, लखनऊ, नैमिषारण्य, बहराइच आने वाले लोग अब अभिभूत होकर लौटते हैं।

ओमपोरा में वन्यजीव विभाग का सफल अभियान, तीन तेंदुए पकड़े गए, लोगों की सुरक्षा बहाल

बडगाम, 21 जुलाई। वन्यजीव विभाग ने जिला प्रशासन बडगाम के सहयोग से एक सफल अभियान चलाकर ओमपोरा हाउसिंग कॉलोनी क्षेत्र से तीन तेंदुओं को सुरक्षित पकड़ लिया है, जिससे स्थानीय लोगों में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हुआ है।

वन्यजीव विभाग ने जिला प्रशासन के समन्वय से 19 और 20 जुलाई की मध्य रात्रि को दो तेंदुओं को सुरक्षित पकड़ लिया। इससे पहले 21 जून को भी एक तेंदुआ पकड़ा गया था। लगातार निगरानी और समन्वित अभियान के बाद अब इस क्षेत्र से कुल तीन तेंदुओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है। ओमपोरा और आसपास के क्षेत्र लंबे समय से तेंदुओं की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बने हुए थे। इसे देखते हुए वन्यजीव संरक्षण विभाग ने मई माह में यहां अस्थायी **मानव-वन्यजीव संघर्ष (एमएसी) शिविरस्थापित किया था। बाद में तेंदुओं की लगातार मौजूदगी और लोगों की बढ़ती चिंता को देखते हुए इसे 24 घंटे संचालित एमएसी नियंत्रण कक्षमें परिवर्तित कर दिया गया। एमएसी टीम लगभग तीन महीने तक ओमपोरा में तैनात रही। इस दौरान टीम ने चौबीसों घंटे निगरानी रखी, लोगों से मिली सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई की तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी तेंदुओं को पकड़ने की व्यवस्था बनाए रखी। इस अभियान का नेतृत्व रेंज अधिकारी साजिद फारूक ने किया, जबकि मैदानी अभियान का नेतृत्व ब्लॉक अधिकारी बशीर अहमद ने संभाला। अधिकारियों की सतत मेहनत, पेशेवर कार्यशैली और विभिन्न एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय इस अभियान की सफलता का प्रमुख कारण रहा। जिला पुलिस बडगाम, जिला प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से तीनों तेंदुओं को सुरक्षित और मानवीय तरीके से पकड़ लिया गया, जिससे ओमपोरा और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर मंडरा रहा तत्काल खतरा काफी हद तक समाप्त हो गया।

स्थानीय समाचार

लगातार बारिश के बीच डीसी कठुआ ने संवेदनशील क्षेत्रों का किया दौरा, चैबीसों घंटे निगरानी के निर्देश

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने जिले के संवेदनशील क्षेत्रों लोगेट मोड़, उज्ज बैराज, तरनाह नाला, मगर खड्ड और चडवाल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान एडीसी महिमा मदान व संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए अधिकारियों को नदियों-नालों पर 24 घंटे निगरानी रखने, समय पर एडवाइजरी जारी करने और जरूरत पड़ने पर लोगों के सुरक्षित स्थानों पर विस्थापन की तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जनता से अपील करते हुए उन्होंने नदी-नालों से दूर रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा। आपात स्थिति में जिला आपात संचालन केंद्र कठुआ (01922-238796) या 112 पर संपर्क करने की सलाह दी गई है।

भारी बारिश के बीच प्रशासन की अपील, अनावश्यक यात्रा से बचें-डीसी कठुआ

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने मौजूदा मौसम को देखते हुए आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने नागरिकों से कहा है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और उफनते नदी-नालों व अन्य जल स्रोतों से दूर रहें।

उन्होंने लोगों से सभी आधिकारिक एडवाइजरी और सार्वजनिक

घोषणाओं का पालन करने तथा प्रशासन का सहयोग करने को कहा। यदि जरूरत हो तो बिना देरी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने की सलाह भी दी गई है। डीसी ने बताया कि प्रशासन की टीमें और संसाधन मैदान में तैनात हैं लेकिन सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जनता का सहयोग बेहद जरूरी है

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई-दो तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में की गई।

पुलिस थाना लखनपुर क्षेत्र के धन्ना इलाके में नाके के दौरान एक आरोपी आसिफ हुसैन निवासी लखनपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 13 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं थाना हीरानगर क्षेत्र के दयालाचक में पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में भाग हुसैन निवासी खानपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 2 ग्राम हेरोइन तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत 112 या 9858034100 पर दें सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कुलगाम में ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुलगाम, 21 जुलाई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के विकास एवं सुविधा कार्यालय (डीएफओ), श्रीनगर द्वारा जिला प्रशासन कुलगाम के सहयोग से मंगलवार को मिनी सचिवालय कुलगाम के सभागार में **प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना** के तहत ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों की उद्यमिता एवं विपणन क्षमता को सशक्त बनाना तथा उन्हें वित्तीय सेवाओं, डिजिटल उपकरणों और बाजार के बेहतर अवसरों से जोड़ना था।

उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने नुब्रा जिले में श्योक नदी पर 27.18 करोड़ रुपये की लागत से बने उदमरू पुल का किया उद्घाटन

नुब्रा, 21 जुलाई। लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मंगलवार को नुब्रा जिले में श्योक नदी पर 27.18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित उदमरू पुल का उद्घाटन किया। रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण यह पुल उदमरू और हुंदरी गांवों तथा तेर्चे और स्कुरु गांवों के बीच की दूरी लगभग 35 किलोमीटर कम करेगा। इससे यात्रा का समय काफी घटेगा और पूरे वर्ष निर्बाध एवं हर मौसम में सुरक्षित संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी।

यह पुल नुब्रा जिले के विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल शाम गोम्बो (यार्मा गोम्बो) तक निर्बाध पहुंच भी सुनिश्चित करेगा, जिससे धार्मिक पर्यटन और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

यह आधुनिक तीन स्पैन (3म80 मीटर) ट्रस प्रणाली पुल है, जिसकी भार क्षमता 70आर है तथा इसके साथ लगभग 230 मीटर लंबी संपर्क सड़कें भी बनाई गई हैं। इस परियोजना का निर्माण केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) के तहत किया गया है। इस पुल से आसपास के गांवों में रहने वाले लगभग 1,000 लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

यह पुल नुब्रा क्षेत्र में पूरे वर्ष सुरक्षित, तेज और विश्वसनीय आवागमन सुनिश्चित करेगा, विशेषकर प्रतिकूल मौसम के दौरान लोगों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाएगा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने कहा कि उदमरू पुल का उद्घाटन नुब्रा के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में बुनियादी ढांचे का महत्व केवल कंक्रीट और स्टील से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आने वाली सुविधाओं और नए अवसरों से आंका जाता है। उन्होंने कहा, 卐प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में सड़कें, पुल और अन्य सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाएं देश के सबसे दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों तक बेहतर संपर्क सुनिश्चित कर रही हैं। हमारा उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को बेहतर अवसर, गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाएं और उज्ज्वल भविष्य उपलब्ध कराना है। उपराज्यपाल ने कहा कि इस पुल के माध्यम से महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल शाम गोम्बो तक पूरे वर्ष निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होगी, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर संपर्क सुविधा से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए होम-स्टे, परिवहन सेवाओं, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़े अन्य क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे।

कठुआ पुलिस का 100 दिन का बड़ा एक्शन-127 नशा तस्कर गिरफ्तार, 1.27 करोड़ की ड्रग्स जब्त

कठुआ, 21 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में नशा मुक्त अभियान के तहत जिला पुलिस कठुआ ने 100 दिनों में बड़ी सफलता हासिल की है। इस दौरान पुलिस ने 102 एनडीपीएस मामले दर्ज कर 127 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जबकि 59 जमानत आदेशों को चुनौती दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के तहत करीब 1.27 करोड़ मूल्य की नशीले पदार्थों की जब्ती की गई। इसमें 1.614 किलोग्राम हेरोइन, 26.61 किलोग्राम पोस्त, 634 ग्राम गांजा और 1.21 किलोग्राम चरस शामिल है। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ आर्थिक कार्रवाई करते हुए 15 अचल संपत्तियां (12.27 करोड़) और 23 चल संपत्तियां (47 लाख) अटैच कीं जबकि 5 मकान (4.5 करोड़) ध्वस्त किए गए। इसके अलावा 61 बैंक खाते फ्रीज कर 6.06 लाख की राशि जब्त की गई। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत 51 ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश, 68 आरसी और 91 ठेकेदार कार्ड रद्द करने की कार्रवाई की गई। साथ ही 83 पासपोर्ट जब्त करने, 161 आधार निष्क्रिय करने और 50 पैन कार्ड फ्लैग किए गए।

इसी प्रकार नशे की खेती पर भी सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 22 कनाल 2 मरला गांजा और 8.5 मरला पोस्ता फसल नष्ट की। वहीं एनडीपीएस एक्ट के तहत 169.288 किलोग्राम ड्रग्स, 1036 कैप्सूल और 909 टैबलेट नष्ट किए गए। समुदायिक जागरूकता के तहत 206 कार्यक्रम आयोजित कर 17,547 लोगों को जागरूक किया गया जबकि 29 कमेटियां गठित की गईं। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने कहा कि कठुआ पुलिस नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करेगी और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि नशे के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें।

फिक्की फ्लो जेकेएल ने हुमा कुरैशी के साथ आयोजित किया प्रेरणा, सिनेमा और महिला सशक्तिकरण पर विशेष कार्यक्रम

जम्मू, 21 जुलाई । फिक्की फ्लो जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख ने मंगलवार को महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रसिद्ध अभिनेत्री हुमा कुरैशी मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम के तहत सिनेमा, साहस और सशक्त अभिव्यक्ति पर आधारित दो विशेष सत्र आयोजित किए गए।

पहले कार्यक्रम के अंतर्गत हुमा कुरैशी की नवीनतम फिल्म बेबी डू डाई डू की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं तथा जम्मू के विभिन्न सरकारी महाविद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

फिल्म प्रदर्शन के बाद हुमा कुरैशी ने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए सिनेमा की बदलती भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का सशक्त मंच भी है। उन्होंने युवतियों से आत्मविश्वास रखने, निडर होकर निर्णय लेने, रूढ़ियों को चुनौती देने और अपनी आवाज़ को समाज में सार्थक बदलाव के लिए इस्तेमाल करने का आह्वान किया। यह संवाद बेहद रोचक, प्रेरणादायक और सहभागितापूर्ण रहा।

सुरनकोट के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में खोज, बचाव एवं राहत कार्यों की संभागीय आयुक्त और आईजीपी जम्मू ने की समीक्षा

पुंछ, 21 जुलाई। संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार (आईएएस) तथा पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जम्मू जोन भीम सेन टूटी (आईपीएस) ने मंगलवार को सुरनकोट के दारा सांगला क्षेत्र का दौरा कर हाल की भारी वर्षा के बाद चल रहे खोज, बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान उनके साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) राजौरी-पुंछ रेंज, उपायुक्त पुंछ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पुंछ तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर स्थिति का जायजा लिया और जारी राहत एवं बचाव अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

दौरे के दौरान अधिकारियों ने जिला पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) तथा नागरिक प्रशासन के उन कर्मियों से बातचीत की, जो बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने कठिन मौसम परिस्थितियों के बावजूद समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही टीमों के प्रयासों की सराहना की।

अधिकारियों ने प्रभावित ग्रामीणों से भी मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए संभागीय आयुक्त और आईजीपी ने मैदानी टीमों को सतर्क रहने, आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा प्रभावित लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खोज, बचाव एवं राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए और हरसंभव प्रयास किए जाएं। जिला पुलिस पुंछ, नागरिक प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से प्रभावित क्षेत्रों में चौबीसों घंटे खोज, बचाव एवं राहत अभियान जारी है।

केवीके सांबा ने कृषि वानिकी पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की

किसानों को 700 से अधिक पौधों का किया वितरण

सांबा, 21 जुलाई। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू (स्कुआस्ट-जम्मू) के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सांबा द्वारा मुख्य वैज्ञानिक (कृषि वानिकी) एवं प्रमुख, केवीके सांबा प्रो. संजय खजूरिया के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, विशेषकर महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा तकनीकी एवं व्यावहारिक सत्रों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. संजय खजूरिया ने कृषि वानिकी की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह किसानों की आय बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने तथा टिकाऊ कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने किसानों से दीर्घकालिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि फसलों के साथ बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि वानिकी आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण किसानों के बीच कृषि वानिकी की विभिन्न प्रजातियों के **700 से अधिक पौधों** का वितरण रहा। इस पहल का उद्देश्य सांबा जिले में आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों के बड़े पैमाने पर रोपण को बढ़ावा देना तथा टिकाऊ भूमि उपयोग प्रबंधन को मजबूत करना है।

तकनीकी सत्र के दौरान डॉ. नीरजा शर्मा ने कृषि वानिकी प्रणालियों में फलदार वृक्षों के समावेशन पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि बागवानी आधारित खेती अपनाकर किसान अपनी उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

डॉ. सौरव गुप्ता ने प्रतिभागियों को कृषि वानिकी प्रणालियों में पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन अपनाने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जैविक नियंत्रण एजेंटों तथा समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे वृक्षारोपण और कृषि फसलें स्वस्थ एवं सुरक्षित रहती हैं।

डॉ. अजय कुमार ने कृषि वानिकी को बढ़ावा देने में किसानों की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के साथ वृक्ष आधारित खेती अपनाने का आग्रह किया, ताकि स्थायी आय और जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा मिल सके।

डॉ. शालिनी खजूरिया ने कृषि वानिकी पौधारोपण की सफल स्थापना एवं बेहतर विकास के लिए मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को समेकित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाकर मृदा की उर्वरता और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की सलाह दी।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की व्यावहारिक उपयोगिता की सराहना करते हुए अपने खेतों में कृषि वानिकी पद्धतियों को अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें किसानों ने कृषि वानिकी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की तथा केवीके सांबा के वैज्ञानिकों से विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त किया।